वर्ष : 34 | अंक : 259 | मुंबई, बुधवार, 26 नवंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

'2035 तक गुलामी की मानसिकता खत्म कर देंगे'

मोदी ने कहा, हमें अपनी विरासत पर गर्व करना होगा। गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्ति पानी होगी। 180 साल पहले वर्ष 1835 में मैकाले नाम के अंग्रेज ने भारत में गुलामी का बीज बोया था। हम इस गुलामी की मानसिकता को 10 साल यानी वर्ष 2035 तक पूरी तरह से खत्म कर देंगे। मैकाले ने जो सोचा था, उसका व्यापक प्रभाव दिखा था। बाद में हमें आजादी मिली पर हीनभावना से मुक्ति नहीं पा सके। नौसेना के ध्वज को बदला है। इस नए ध्वज ने गुलामी के प्रतीक को हराने का काम किया है। गुलामी की मानसिकता इतनी हावी हो गई कि राम को भी काल्पनिक बताया जाने लगा था।

राम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग भाता है। उन्होंने भगवान राम को ज्ञान और विवेक की पराकाष्ठा, मर्यादा, सत्य, पराक्रम का संगम बताया। उन्होंने कहा कि राम को वंश नहीं मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं सहयोग महान लगता है। हम सब भी इसी भावना से अब आगे बढ़ रहे हैं। बीते 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अति-पिछड़े आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा है।

'विदेशी वस्तु अच्छी लगती, देसी खराब'

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी भी लोगों को विदेशी वस्तुएं भाती हैं और देश में बनी वस्तुएं खराब लगती है। यही गुलामी की मानसिकता है। गुलामी के समय की कई बातों की जानकारी से अभी भी नई पीढ़ी को अछूता रखा गया है। हमें अपनी विरासत पर गर्व करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 में जब पूरा भारत आजादी के 100 साल मना रहा होगा, तब तक हमें विकसित भारत का निर्माण कर लेना होगा।

धर्म ध्वज भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक : मोदी

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराने के बाद कहा कि यह धर्म ध्वज भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह संदेश भी है कि प्राण जाए पर वचन न जाए...। अब संकल्पों को सिद्धि मिली है। धर्म ध्वज फहराने के मौके पर सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व राममय हो गया है। सदियों की वेदना अब विराम पा रही है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहुति हुई है जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन से पहले सप्तमंडप में जाकर ऋषि वाल्मीकि, अगत्स्य, वशिष्ठ, विश्वामित्र, शबरी, निषाद राज के दर्शन और पूजन किए।

राम मंदिर में ध्वजारोहण

एजेंसी | नई दिल्ली

अयोध्या। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर पर धर्म की ध्वजा का आरोहण कर दिया गया। अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण पूरा हुआ। पीएम मोदी के बटन दबाते ही झंडा धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता हुआ मंदिर के शीर्ष पर विराजमान हो गया। जैसे-जैसे झंडा ऊपर चढ़ता गया पीएम मोदी टकटकी लगाए उसे देखते रहे। पीएम मोदी इन पलों में भावुक नजर आए। ध्वजारोहण के समय सामने की कतार में साधु-संत बैठे हुए थे। वह भी भावुकता में अपने आंसू पोछते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में देश-दुनिया के करीब आठ हजार लोग आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित शुभ मुहूर्त में प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्मध्वज फहराया। जैसे ही केसरिया ध्वज पवन के संग लहराया, पूरा परिसर 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूँज उठा। क्षण भर में वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया और श्रद्धालुओं की भावनाएँ उमंग में बदल गईं। इसके साथ ही राम मंदिर का निर्माण कार्य औपचारिक तौर पर संपन्न हो गया है।

- राम मंदिर पर लहराई धर्म ध्वजा, पीएम हुए भावुक
- धर्म ध्वज भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक : मोदी
- सनातन परंपरा की अखंडता, आस्था और सांस्कृतिक स्वाभिमान का संदेश

"आने वाले समय में हम नहीं रहेंगे पर भारत रहेगा'

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। भावी पीढ़ी के लिए सोचना जरूरी है। 1000 साल बाद हम नहीं रहेंगे लेकिन भारत रहेगा। हम इस तरह से काम कर रहे हैं कि आने वाले समय में भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

मनमाना आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का डंडा

निकाय चुनावों पर महासंकट

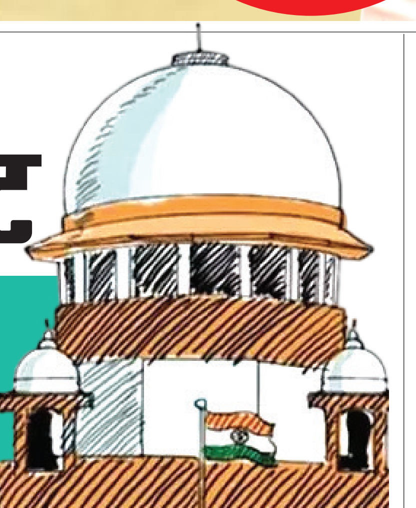

एजेंसी | मुंबई/नई दिल्ली

राजनीतिक दल मनमानी आरक्षण तो दे सकते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में उसका टिकना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्रा में हुआ है। महाराष्ट्रण की सरकार ने सारे आदेशों को दरकिनार करते हुए लोकल बॉडी इलेक्श न में 50 फीसदी से ज्याहदा रिजर्वेशन दे दयिा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी नाराजगी जताई है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और जस्जिर्स जॉयमाल्या बागची की पीठ ने साफ कहा कि जहां-जहां भी 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हुआ है, वहां के चुनावी नतीजे हमारे फैसले पर निर्भर करेंगे।

आरक्षण की लिमिट का पालन किया जाना चाहिए : सुको

स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से महासंकट खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि 50 फीसदी आरक्षण की लिमिट का पालन किया जाना चाहिए। मंगलवार को सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची वाली बेंच ने सुनवाई की। बेंच को बताया गया कि राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि 246 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर के लिए पहले ही नोटिफाई कर दिए गए हैं।

जहां 50% से ज्यादा रिजर्वेशन, वहां जीत-हार हम तय करेंगे: सीजेआई

महाराष्ट्र सरकार ने सुको से समय मांगा

सुप्रीम कोर्ट का यह कड़ा रुख देखकर महाराष्ट्र और सरकार ने राज्य चुनाव आयोग से सलाह लेने की बात कही है और अदालत से समय मांगा है। इसके बाद सुनवाई 28 नवंबर तक टाल दी गई। इससे पहले 19 नवंबर को अदालत ने राज्य सरकार से कहा था कि वह स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया को स्थगित करने पर विचार करे, जब तक कि अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे का न्यायालय की ओर से निपटारा नहीं हो जाता।

सुको में क्या कुछ हुआ?

भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची वाली बेंच को SEC ने बताया कि 246 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर के लिए पहले ही नोटिफाई कर दिए गए हैं, और जिन लोकल बॉडीज में चुनाव होने वाले हैं, उनमें से कई में 50 परसेंट की आरक्षण लिमिट पार हो गई है। चुनाव आयोग ने कोर्ट को आगे बताया कि ज़िला परिषदों, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पंचायत समितियों के चुनाव अभी तक नोटिफाई नहीं किए गए हैं।

आरक्षण की सीमा पर सीजेआई सख्त

सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने चुनाव आयोग को यह भी सलाह दी कि वह बाद के किसी भी चुनाव नोटिफिकेशन में 50 परसेंट रिजर्वेशन लिमिट से ज्यादा न हो। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि ये कार्रवाई के नतीजे पर निर्भर रहेंगे। आप जो भी आगे चुनाव नोटिफ़ाई करेंगे। उन्हें 50 परसेंट की सीलिंग लिमिट का पालन करना होगा। इससे पहले, इस साल मई में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि लोकल बॉडी चुनाव चार महीने के अंदर पूरे किए जाएं, और OBC रिज़र्वेशन को जे.के. बंठिया कमीशन द्वारा बनाए गए 2022 से पहले के कानूनी फ्रेमवर्क के अनुसार बहाल किया जाए।

सूर्यकांत मोरे पर विशेषाधिकार हनन का आरोप

बीजेपी विधायक प्रवीण दरेकर ने की कार्रवाई की मांग

देवेंद्रनाथ जैसवार | मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 8 दिसंबर से शुरू होने से पहले बीजेपी के नेता प्रवीण दरेकर और विधान परिषद सदस्य श्रीकांत भारतीय ने राकां शरदचंद्र पवार पार्टी के कार्यकर्ता सूर्यकांत मोरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जामखेड, अहिल्यानगर में एक प्रचार सभा के दौरान मोरे ने विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया, जो विशेषाधिकार का उल्लंघन है।

विपक्ष पर गंदी राजनीति का आरोप

दरेकर ने आगे आरोप लगाया कि महाविकास आघाड़ी (मविआ) के नेताओं का आत्मविश्वास कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार के पारदर्शी प्रशासन और कई जगहों पर निर्विरोध हुए चुनावों के बाद विपक्ष बौखला गया है और गंदी राजनीति का सहारा ले रहा है।

सदन की प्रतिष्ठा को बताया खतरा

मंगलवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए दरेकर ने कहा कि मोरे का बयान सदन की प्रतिष्ठा और स्वायत्तता के लिए खतरा है। उन्होंने मांग की कि संविधान प्रदत्त विशेषाधिकारों के उल्लंघन के इस मामले में सख्त कार्वाई की जाए।

ब्रीफ न्यूज़

सर्कस जैसा बन गया है चुनाव आयोग : आदित्य

मुंबई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) पार्टी के नेता व विधायक आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग पर मंगलवार को एक बार फिर से तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में धांधली और दोहरे-तिहरे मतदाताओं के मामले सामने आने के बावजूद राज्य चुनाव आयोग ने इस दिशा में अब तक कोई कदम नहीं उठाया है।

चुनाव आयोग से महाविकास आघाड़ी (मविआ) दोहरे मतदाताओं और मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायत कर रही है। लेकिन इसके बाद भी आयोग की ओर से कोई जवाब न मिल रहा है इससे विपक्ष चिंतित है। आदित्य ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों, मीडिया और नागरिकों द्वारा मतदाता सूची में घोटाले को उजागर करने के बावजूद, राज्य चुनाव आयोग ने आज तक इस मामले में एक भी कदम आगे नहीं बढ़ाया है।

मतदाता सूची में 11 लाख से अधिक डबल वोटर्स के नाम

मुंबई। आगामी BMC चुनावों के लिए जारी प्रारूप मतदाता सूची पर विपक्ष के सवालों के बाद, मुंबई महानगरपालिका ने वार्ड-वार संभावित दोहरे मतदाताओं की संख्या सार्वजनिक कर दी है। आंकड़ों के अनुसार, कुल 11,01,505 दोहरे नाम सूची में दर्ज होने की संभावना है, जो चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है। BMC द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 'S' वार्ड में सर्वाधिक 69,500 दोहरे मतदाता दर्ज किए गए हैं, जबकि 'B' वार्ड में यह संख्या मात्र 8,398 है। भांडुप विभाग, जिसमें कुल 14 प्रभाग शामिल हैं, वहां भी दोहरे वोटर्स की संख्या 69,500 तक पहुंच गई है। आदित्य ठाकरे के वर्ली विधानसभा क्षेत्र में यह संख्या 6,800 से अधिक पाई गई है, जिससे कई विशिष्ट प्रभागों में मतदाता दोहराव का गंभीर मुद्दा सामने आया है।

चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं सियासी योद्धा

- सीएम और दोनों डीसीएम ने की कई चुनावी सभाएं
- हर सप्ताह होने वाली मंत्रिमंडल बैठक रद्द

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव नजदीक आते ही सत्ता पक्ष के नेताओं का पूरा फोकस प्रचार अभियानों पर दिखाई दे रहा है। निर्धारित दिन मंगलवार को भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने अलग-अलग जिलों में चुनावी सभाएं कीं, जिसके चलते हर सप्ताह होने वाली मंत्रिमंडल बैठक रद्द करनी पड़ी।

जनता से जुड़े मुद्दे दरकिनार: विपक्ष

कांग्रेस विधायक नाना पटोले ने आरोप लगाया कि सरकार चुनावी व्यस्तताओं के चलते जनता के हितों को पीछे छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल बैठकें जनता से जुड़े फैसलों के लिए होती हैं, लेकिन सरकार चुनाव प्रचार में व्यस्त है। पटोले के अनुसार, राज्य में बाढ़ प्रभावित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है,

विपक्ष हर कदम में राजनीति देखता है : भाजपा

भाजपा प्रवक्ता विश्वास पाठक ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनावी समय में बैठक हो तो विपक्ष आचार संहिता का हवाला देता है और अगर बैठक रद्द हो तो राजनीति करता है। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर बेवजह विवाद खड़ा करना जनता के हित में नहीं है।

क्लोरीन गैस रिसाव से एक की मौत, 10 अस्पताल में भर्ती

पालघर। वसई में मंगलवार को एक सिलेंडर से क्लोरीन गैस लीक होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच दमकल कर्मियों सहित 10 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पालघर के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 3.30 बजे कस्बे के दीवानमन इलाके में सन सिटी स्थित एक श्मशान घाट के पास हुई। सिलेंडर से क्लोरीन गैस लीक होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद, वसई विरार नगर निगम के अग्निशमन विभाग टीम तुरंत मौके पर पहुँची। कदम ने बताया कि हालांकि, देव कांतिलाल पारदीवाल नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि फायर ब्रिगेड के सन सिटी प्रभारी केंद्र अधिकारी विजय राणे, फायर ब्रिगेड के ड्राइवर सचिन मोरे और प्रमोद पाटिल, और फायरमैन कल्पेश पाटिल और कुणाल पाटिल सहित 10 अन्य लोगों ने स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अब उपद्रवी बंदरों को पकड़ने वालों को मिलेगा पैसा

सरकार ने तैयार किया प्लान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रदेश सरकार ने मानव–वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए उपद्रवी बंदरों और वानरों को सुरक्षित रूप से पकड़कर उनके अधिवास क्षेत्रों में छोड़ने की प्रक्रिया तय की है। 10 बंदरों को पकड़ने पर प्रति बंदर 600 रुपए और 10 से अधिक होने पर प्रति बंदर 300 रुपए दिए जाएंगे, जबकि एक प्रकरण में अधिकतम 10,000 रुपए से अधिक सहायता नहीं मिलेगी। एक से पांच बंदर पकड़ने पर 1,000 रुपए यात्रा खर्च दिया जाएगा। डीबीटी के माध्यम से भुगतान होगा और हर बंदर की फोटो–वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी।

प्रशिक्षित बचाव दस्तों की नियुक्ति

वन विभाग उपद्रवी बंदरों और वानरों को सुरक्षित ढंग से पकड़ने के लिए प्रशिक्षित बचाव दस्ते नियुक्त करेगा। हर विभाग को ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं की सूची तैयार करनी होगी जो जाल और पिंजरे का उपयोग कर इस प्रक्रिया को अंजाम देंगे।

सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की प्रक्रिया

महानगर पालिका, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पकड़े गए बंदरों को मानव बस्ती से 10 किलोमीटर दूर उपचार के बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी की निगरानी में निश्चित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। पूरी प्रक्रिया संबंधित अधिकारी की उपस्थिति में ही पूरी की जाएगी।

शिकायतों के पंजीकरण और जांच की जिम्मेदारी

शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय निकायों को उपद्रवी बंदरों से हुए नुकसान की सूचना उपलब्ध करानी होगी। इसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी (आरएफओ) को घटना की गहराई से जांच कर रिपोर्ट तैयार करनी होगी, जिसे संबंधित वन उपविभाग के सहायक वन संरक्षक को सौंपा जाएगा।

जीरो टॉलरेंस | 7 राज्यों पर 129 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, प्रधानमंत्री सख्त

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में हुई गड़बड़ियों पर सख्त रुख अपनाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने सात राज्यों पर कुल 129.27 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इनमें गुजरात पर सबसे अधिक कार्रवाई हुई है, जबकि अन्य राज्यों में तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं।

गुजरात पर सबसे बड़ी वसूली

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, केंद्र ने गुजरात पर जल जीवन मिशन के तहत 120.65 करोड़ रुपए की वसूली प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिनमें से 6.65 करोड़ रुपए पहले ही वसूले जा चुके हैं। अन्य राज्यों पर लगाए गए जुर्माने में तमिलनाडु पर तीन लाख, त्रिपुरा पर 1.22 करोड़, असम पर 5.08 लाख, महाराष्ट्र पर 2.02 करोड़, कर्नाटक पर 1.01 करोड़ और राजस्थान पर 5.34 करोड़ रुपए शामिल हैं।

कुल वसूली का ताजा आंकड़ा

अधिकारी ने बताया कि कुल 129.27 करोड़ रुपए के जुर्माने में से अब तक 12.95 करोड़ रुपए वसूले गए हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों से जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वसूली को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

जवाबदेही पर पीएम का जोर

अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की सख्त निगरानी और वित्तीय, प्रक्रियात्मक तथा गुणवत्ता संबंधी उल्लंघनों पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने को कहा है। मिशन में कथित अनियमितताओं को लेकर देश भर से प्राप्त शिकायतों के बाद केंद्र को जमीनी स्तर पर व्यापक सत्यापन कराना पड़ा, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

लाडली बहन योजना बंद नहीं होगी : सीएम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अकोला जिले में नगर निकाय चुनाव सभा के दौरान स्पष्ट कहा कि लाड़ली बहन योजना को किसी भी स्थिति में बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे अपप्रचार को खारिज करते हुए कहा कि जब तक वे मुख्यमंत्री हैं, यह योजना जारी रहेगी। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों को घर, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं देकर उनकी ज़िंदगी बदली है।

धर्म ध्वजा के अनावरण को बताया ऐतिहासिक क्षण

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अयोध्या में मंदिर निर्माण के बाद हुए शिलान्यास और धर्म ध्वजा के अनावरण का उल्लेख करते हुए इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने जनता से अपील की कि जैसे अयोध्या में मंदिर पर भगवा फहराया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

कैडिला फ्लाईओवर पर बुलेट ट्रेन परियोजना का 11वां स्टील ब्रिज लॉन्च

ठाणे। अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत अहमदाबाद जिले में कैडिला फ्लाईओवर पर 70 मीटर लंबा और 670 मीट्रिक टन वज़नी 11वां स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया है। यह 13 मीटर ऊंचा और 14.1 मीटर चौड़ा ब्रिज भारतीय रेलवे के अहमदाबाद–मुंबई ट्रैक के समानांतर स्थित है। इसे नवसारी स्थित वर्कशॉप में तैयार किया गया और हेवी-ड्यूटी ट्रेलर के माध्यम से साइट तक लाया गया। ब्रिज की असेंबली कैडिला फ्लाईओवर और रेलवे पटरियों के पास बनाई गई विशेष स्टील स्टेजिंग पर की गई, जो ज़मीन से 16.15 मीटर ऊपर थी। लगभग 29,300 टीटीएचएस बोल्ट से तैयार इस संरचना को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए C5 सिस्टम पेंटिंग से कोट किया गया है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए कुल 28 स्टील ब्रिज प्रस्तावित हैं, जिनमें 17 गुजरात और 11 महाराष्ट्र में बनाए जा रहे हैं।

मनपा स्कूल शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण

मुंबई। मुंबई मनपा ने अपने अधीन विद्यालय के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देने का फैसला किया है। बालवाड़ी से लेकर कक्षा आठवीं तक के शिक्षकों के लिए 'प्रोजेक्ट इन्क्लूजन' के तहत एक विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र साल भर आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर, सर्वसमावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी, अतिरिक्त आयुक्त (पूर्व उपनगर) डॉ। अमित सैनी के मार्गदर्शन में मंगलवार को पहला प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। यह सत्र श्री अरबिंदो सोसायटी ने संचालित किया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त (शिक्षा) डॉ। प्राची जांभेकर और शिक्षाधिकारी सुजाता खरे भी उपस्थित थीं। डॉ। जांभेकर ने 'प्रोजेक्ट इन्क्लूजन' की आवश्यकता, उद्देश्य और मौजूदा प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विशेष बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों दोनों में जागरूकता बढ़ाना बेहद महत्वपूर्ण है।

शीतसत्र: डॉक्टर, नर्सों के साथ डिस्पेंसरी भी तैयार

मुंबई/नागपुर। नागपुर विधान मंडल के शीतसत्र को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी के मद्देनज़र सभी विभाग अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी अपनी व्यवस्थाएँ दुरुस्त कर ली हैं। डॉक्टरों से लेकर नर्सों तक की तैनाती की जाएगी, वहीं शहर के विभिन्न स्थानों पर डिस्पेंसरी भी संचालित रहेंगी, जहाँ चौबीसों घंटे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्रियों और विधायकों के स्वास्थ्य देखभाल हेतु मेडिकल और मेयो अस्पताल में बेड आरक्षित किए जा रहे हैं। अगले माह शुरू होने वाले शीतसत्र के लिए स्वास्थ्य उपसंचालक कार्यालय ने तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। इस बार कुल 150 स्वास्थ्यकर्मियों की टीम तैनात की जाएगी। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ पैरामेडिकल स्टाफ और इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम भी शामिल होगी।

ठाणे में बढ़ती गाड़ियों से गहराया ट्रैफिक संकट

18 लाख की आबादी पर 16.5 लाख गाड़ियां

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुंबई की तरह ठाणे भी अब ट्रैफिक जाम वाले शहर के रूप में उभर रहा है। 18 लाख आबादी वाले ठाणे में लगभग 16.5 लाख गाड़ियां चल रही हैं, जिससे सड़कों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट का कहना है कि लोगों को अब पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता देनी ही होगी।

आरटीओ के ताज़ा आंकड़े

ठाणे आरटीओ के रिकॉर्ड के मुताबिक 'T' परमिट कैब 39,658, पिकअप टेम्पो 1,38,162, एम्बुलेंस 1,112, ऑटो रिक्शा 89,047, टू-व्हीलर 10,42,307 और फोर-व्हीलर 3,15,985 रजिस्टर्ड हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में 15 साल से अधिक पुरानी, गैर-कानूनी गाड़ियां भी सड़कों पर चल रही हैं। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अनुसार सड़कें और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ती आबादी और गाड़ियों की तुलना में बेहद कम हैं, जिससे जाम के साथ धूल और प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है। पंकज शिरसाट का कहना है कि यदि नागरिक निजी गाड़ियों का उपयोग कम करके पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाएं, तो शहर का यातायात बोझ काफी हद तक कम हो सकता है।

तेज़ विकास और बढ़ती आबादी से हालात बदतर

पुराने ठाणे में पुनर्विकास तेजी से हो रहा है, छोटी इमारतों की जगह बड़े टावर बन रहे हैं। इससे जनसंख्या और गाड़ियों की संख्या दोनों में तेज़ी से वृद्धि हुई है—पांच सालों में वाहनों की संख्या पाँच गुना तक बढ़ी है। मेट्रो और सड़क चौड़ीकरण जैसे कार्यों के कारण भी यातायात बार-बार बाधित होता है। यातायात विभाग सीमित मैनपावर और वॉर्डन के साथ दिन-रात सड़क पर काम कर रहा है, लेकिन वाहन संख्या इतनी ज़्यादा है कि ट्रैफिक नियंत्रण बेहद कठिन होता जा रहा है। ठाणे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार, शहर में लगभग प्रत्येक व्यक्ति पर एक वाहन दर्ज है, जो भविष्य में स्थिति और भी बिगाड़ सकता है।

कमजोर सड़कें और पार्किंग की समस्या

ठाणे की 380 किलोमीटर से अधिक सड़कों में ईस्टर्न एक्सप्रेसवे, मुंबई-नासिक हाईवे और घोड़बंदर रोड जैसी व्यस्त सड़कें शामिल हैं, लेकिन शहर के अंदर कई पुरानी और संकरी सड़कें अब ट्रैफिक संभालने में नाकाम हैं। पार्किंग की कमी के चलते वाहन मुख्य सड़कों पर खड़े किए जाते हैं, जबकि भारी कमर्शियल गाड़ियां भी जगह-जगह घंटे भर पार्क रहती हैं, जिससे जाम और बढ़ता है।

भुसावल मंडल के कुल 15 स्टेशनों पर 49 एटीवीएम स्थापित

टिकट बिक्री में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

रेलवे प्रशासन डिजिटल टिकटिंग और सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) उपलब्ध करा रहा है। यात्रियों को बिना कतार में लगे टिकट खरीदने की सुविधा देने के साथ ही क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी के जरिए डिजिटल भुगतान का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। भुसावल मंडल में यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 15 स्थानों पर कुल 49 एटीवीएम स्थापित किए गए हैं। इन मशीनों के इस्तेमाल के लिए 12 प्रशिक्षित सहायकों की नियुक्ति की गई है, जो स्टेशन परिसर में यात्रियों को एटीवीएम से टिकट लेने की प्रक्रिया समझाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

यात्रियों की जागरूकता बढ़ाने के प्रयास

एटीवीएम के उपयोग के लाभ और इसकी विशेषताओं को दर्शाने वाले सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। वाणिज्य विभाग की टीम लगातार यात्रियों को जागरूक कर रही है। इसके परिणामस्वरूप एटीवीएम से टिकट बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई—1 अप्रैल से 15 नवंबर 2024 तक 9,49,287 टिकट बिके, जबकि 2025 में इसी अवधि में यह संख्या बढ़कर 12,02,005 हो गई, यानी लगभग 26.82% की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रमुख स्टेशनों पर एटीवीएम की सुविधा

मंडल के देवलाली, नाशिक रोड, मनमाड, चालीसगाव, पाचोरा, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, अमरावती, बुरहानपुर और खंडवा—इन 15 प्रमुख स्टेशनों पर एटीवीएम मशीनें स्थापित की गई हैं। इनसे यात्रियों को तेज, सरल और डिजिटल टिकटिंग की सुविधा मिल रही है।

फेसिलिटेटर और हेल्प डेस्क की भूमिका

एटीवीएम के व्यापक उपयोग के लिए फेसिलिटेटर नियुक्त किए गए हैं, साथ ही टिकट काउंटर पर मौजूद कर्मचारी भी यात्रियों की पूरी सहायता कर रहे हैं। विभिन्न स्टेशनों पर बनाए गए हेल्प डेस्क पर टीटीई और बुकिंग स्टाफ यात्रियों को एटीवीएम के प्रयोग, प्रक्रिया और फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

आरोपी को मिली 20 साल सजा

नाबालिग पीड़िता का किया था शारीरिक शोषण

विनय दूबे । भाईंदर

भाईंदर में रहने वाली एक नाबालिग पीड़िता का शारीरिक शोषण करने वाले अभियुक्त को ठाणे सत्र न्यायालय ने 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने इस मामले में सटीक जाँच कर अभियुक्त को सजा दिलाने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कांबले और उनकी टीम को सम्मानित किया।

उत्कृष्ट कन्वेक्शन के लिए पुलिस को सम्मान

मासिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने अक्टूबर महीने के उत्कृष्ट कन्वेक्शन के लिए भाईंदर पुलिस थाने को सम्मानित किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कांबले को यह सम्मान उनकी टीम के साथ इस संवेदनशील मामले में प्रभावी कार्रवाई और सफल अभियोजन के लिए प्रदान किया गया।

2021 में हुआ था गंभीर अपराध का खुलासा

साल 2021 में अभियुक्त वासुदेव ने पीड़िता की मर्जी के खिलाफ लगातार उसका शारीरिक शोषण किया था। पीड़िता गर्भवती होने पर उसने गर्भपात करवाकर भ्रूण को घर के पीछे मिट्टी में दबा दिया और पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत दर्ज होते ही भाईंदर पुलिस ने गंभीर धाराओं और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया था। सुनवाई के दौरान पुलिस ने सभी ठोस सबूत और गवाहियों को अदालत के सामने पेश किया, जिसके आधार पर न्यायालय ने कड़ी सजा सुनाई।

राज्य की यूनिवर्सिटीज़ को ग्लोबल स्तर पर सबसे आगे लाना चाहिए : चंद्रकांत पाटिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि राज्य की यूनिवर्सिटीज़ को वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान दिलाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मंत्रालय में नेशनल और इंटरनेशनल रैंकिंग सुधारने तथा एक स्टेट-लेवल पोर्टल तैयार करने को लेकर रिव्यू मीटिंग आयोजित की गई।

रिसर्च और इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान

बैठक में यूनिवर्सिटी रिसर्च की गुणवत्ता बढ़ाने, छात्र नामांकन में वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी एजुकेशन, इंटरनेशनल मान्यता प्राप्त रिसर्च पब्लिकेशन और नेशनल एक्रेडिटेशन काउंसिल रैंकिंग सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए गए। मंत्री पाटिल ने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में सुधार से यूनिवर्सिटीज़ की ग्लोबल पोजिशन मजबूत होगी।

वरिष्ठ अधिकारियों और कुलपतियों की उपस्थिति

रिव्यू मीटिंग में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी बी। वेणुगोपाल रेड्डी, हायर एजुकेशन डायरेक्टर डॉ। शैलेंद्र देवलंकर, डिप्टी सेक्रेटरी अशोक मांडे और प्रताप लुबल, जॉइंट सेक्रेटरी संतोष खोरगड़े सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुंबई यूनिवर्सिटी, डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी और इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के वाइस चांसलर्स भी बैठक में सहभागी रहे।

95 लाख की ठगी, 60 वर्षीय महिला पर केस

नवी मुंबई। पोस्टल सेविंग्स स्कीम में निवेश कराने के नाम पर एक बुजुर्ग महिला ने लाखों रुपये की ठगी कर डाली। पुलिस के अनुसार, एक 60 वर्षीय महिला एजेंट ने कई सालों तक जमाकर्ताओं का विश्वास जीतकर उनसे लाखों रुपये इकट्ठा किए और फरार हो गई। यह मामला सामने आने के बाद ठाणे पुलिस ने इसकी तुरंत जांच शुरू कर दी। पांच महिलाएं इस स्कैम का शिकार बनीं, जिन्होंने पोस्ट ऑफिस की तरह भरोसेमंद योजना समझकर अपना पैसा निवेश किया था। शिकायत मिलने के बाद खंडेश्वर पुलिस स्टेशन में आरोपी महिला एजेंट के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(5) (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) और 318(4) (धोखाधड़ी) के तहत FIR दर्ज दर्ज की है।

उल्हासनगर गोलीबारी प्रकरण

तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर कैंप क्रमांक-3 के इमलीपाड़ा परिसर में 21 नवंबर की रात पुराने झगड़े की रंजिश को लेकर हुई गोलीबारी के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस हिंसक वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी।

झगड़े का बदला लेने पहुंचा था आरोपी समूह

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे गोगाजी मंदिर के पास सचिन उर्फ 'बाउजी' करोतिया अपने दोस्तों के साथ खड़े थे, तभी मोहित हिंदुजा और उसके साथी मौके पर पहुंचे। कुछ समय पहले 24 सेक्शन में हुए मामूली विवाद का बदला लेने के इरादे से मोहित ने गालीगलौच करते हुए पिस्तौल निकालकर सचिन पर दो गोलियां चला दीं। निशाना चूक जाने से बड़ा हादसा टल गया और आरोपी मौके से फरार हो गए।

हथियारों की सप्लाई की जांच

सचिन करोतिया की शिकायत पर पुलिस ने मोहित हिंदुजा और उसके साथियों के खिलाफ हत्या की कोशिश और गैर-कानूनी हथियार रखने समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। मुखबिर की जानकारी पर पुलिस ने मोहित हिंदुजा, कृष्णा राजपूत और धीरज पारवानी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। घटना के बाद शहर में बढ़ते गैर-कानूनी हथियारों और सक्रिय गैंगों को लेकर चिंताएं सामने आई हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि हथियार कहां से लाए गए और उनका असली मकसद क्या था।

अब जंगल के बाहर भी होगा तेंदुए का सर्वेक्षण

वन विभाग ने खेतों में भी लगाएगा कैमरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में तेजी से बढ़ती तेंदुओं की संख्या और मानव बस्तियों पर हमलों को देखते हुए वन विभाग ने व्यापक सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है। जंगलों के साथ-साथ बाहरी इलाकों में भी तेंदुओं की खोजबीन होगी। अधिकारियों के मुताबिक 2022 की गणना में राज्य में 2,285 तेंदुए पाए गए थे, और अब अगले वर्ष फिर से जनगणना की जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में जंगलों की तुलना में खेतों में तेंदुओं का प्रजनन तेज़ी से बढ़ने के कारण पहली बार मानव बस्तियों और खेतों में भी कैमरे लगाए जाएंगे।

गन्ना बेल्ट में सबसे अधिक प्रजनन

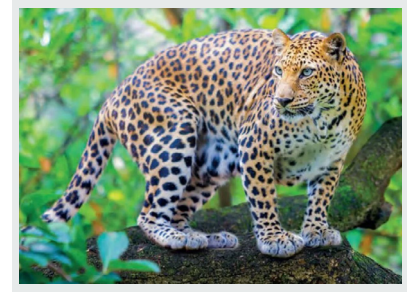

पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कई जिलों में बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती होती है, जो तेंदुओं को रहने और छिपने के लिए सुरक्षित जगह प्रदान करती है। गन्ना बारहमासी होने से ये खेत लगभग 2,000 तेंदुओं का नया आवास बन चुके हैं। इसी वजह से गन्ना बेल्ट में बड़े पैमाने पर कैमरे लगाने की योजना है। इसके अलावा अंगूर और कपास की खेती वाले क्षेत्रों में भी तेंदुओं का प्रजनन बढ़ता दिख रहा है।

नियंत्रण के लिए बढ़ेगी निगरानी

वन विभाग का कहना है कि नई जनगणना और सर्वेक्षण से तेंदुओं की वास्तविक संख्या का पता चल सकेगा। इसके आधार पर राज्य या केंद्र सरकार प्रभावी कदम उठा सकेगी, ताकि मानव–वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सके और तेंदुओं की निगरानी को मजबूत किया जा सके।

जर्नलिस्ट एवं मीडिया एसोसिएट्स की महत्वपूर्ण बैठक

पत्रकारों और मीडिया से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर हुई चर्चा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के दादर पूर्व स्थित श्री कृष्णा होटल में मंगलवार को जर्नलिस्ट एंड मीडिया एसोसिएट्स की मानसिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष हंसराज कनौजिया व समन्वयक सुधीर शर्मा ने की। इस बैठक में पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और कई नए प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से कुछ को मंज़ूरी भी दी गई। राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों से आए पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा किए और संगठन को मजबूत बनाने के सुझाव दिए।

पत्रकारों को राज्य में उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए: हंसराज कनौजिया

जर्नलिस्ट एंड मीडिया एसोसिएट्स के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष हंसराज कनौजिया ने कहा कि भविष्य में पत्रकारों को राज्य में उचित स्थान और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने संविधान के तहत पत्रकारों के मौलिक अधिकारों पर ज़ोर देते हुए बताया कि यूनियन पत्रकारों की आवाज़ को मजबूत करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। महाराष्ट्र राज्य इकाई के समन्वयक सुधीर शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार के रूप में अपने अधिकारों का सही रूप से प्रयोग करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जागरूकता फैलाने, समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाने और पत्रकारिता के मूल्यों को व्यवहार में उतारने के तरीकों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

फार्मा सेक्टर में बड़ा इनोवेशन सेंटर बनाने की तैयारी

इनोवेटिव रिसर्च के लिए लाइफ साइंसेज इनोवेशन सेंटर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मंत्री नरहरि जिरवाल ने कहा कि फार्मा सेक्टर में इनोवेटिव रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए राज्य में एक बड़ा लाइफ साइंसेज इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर बनाया जाएगा। हेल्थ साइंसेज में बायोटेक्नोलॉजी की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सेंटर अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया जाएगा।

स्टार्टअप्स को मिलेगा टेक्निकल सपोर्ट और फंडिंग

जिरवाल ने कहा कि प्रस्तावित सेंटर का मुख्य उद्देश्य फार्मास्यूटिकल, बायोटेक, मेडिकल डिवाइस, डायग्नोस्टिक्स और डिजिटल हेल्थ सेक्टर के इनोवेटिव स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक सुविधाएं, टेक्निकल गाइडेंस और आवश्यक फंडिंग उपलब्ध कराना है। इससे राज्य में फार्मा इंडस्ट्री में निवेश बढ़ेगा, स्टार्टअप्स को ट्रेनिंग और गाइडेंस मिलेगी तथा यह इनक्यूबेशन सेंटर महाराष्ट्र को हेल्थ, फार्मास्यूटिकल और बायोटेक सेक्टर में वैश्विक इनोवेशन हब बनने में सहायक साबित होगा।

मंत्रालय में उच्चस्तरीय बैठक, कई अधिकारी उपस्थित

मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक में मंत्री नरहरि जिरवाल के साथ FDA विभाग के जॉइंट कमिश्नर (विजिलेंस) डॉ. राहुल खाड़े, जॉइंट कमिश्नर (ड्रग्स) दा. रा. गहाने, गिरीश हुकारे, वी. टी. जाधव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि गुजरात, आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भी ऐसे रिसर्च सेंटर विकसित किए जा रहे हैं और दवाओं से संबंधित बायोलॉजिकल व केमिकल रिसर्च के लिए फॉर्मूलेशन लैब पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर बनाई जा रही हैं।

अवैध बार में 'अश्लील डांस'

डांस बार के मालिक और मैनेजर समेत छह लोगों को गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

मुंबई से सटे ठाणे में अवैध ढंग से चल रहे डांस में अश्लील डांस होता था। जब इसकी टिप-ऑफ पुलिस को मिली तो शहर के महात्मा फुले चौक स्टेशन इलाके के कल्याण में छापा मारा गया। पुलिस ने ठाणे में गैर-कानूनी तरीके से चल रहे एक डांस बार पर छापा मारा। पुलिस ने डांस बार के मालिक और मैनेजर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी जोन-3 अतुल जेंडे ने बताया कि उन्हें बार के हॉल में 15 महिलाएं और मालिक, मैनेजर, कैशियर, वेटर और दूसरे स्टाफ समेत 13 लोग मिले, जो कथित तौर पर गैर-कानूनी कामों को बढ़ावा दे रहे थे। जब पुलिस डांस बार में दाखिल हुई तो टिप सही निकली। पुलिस भी वहां के माहौल को देखकर हैरान रह गई।

28 लोगों के खिलाफ केस

ठाणे पुलिस के अनुसार पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता और दूसरे कानूनी नियमों के तहत 28 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। डीसीपी ने कहा कि बार के मालिक, ऑपरेटर, मैनेजर और कैशियर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई में डांस बार पाबंदी नहीं है, लेकिन सरकार ने इसके संचालन के लिए कड़े नियम बनाए हैं। जिनका पालन किया जाना जरूरी है। डांस बार अभी 11.30 बजे रात तक खुले रहने की अनुमति है। इतना ही नहीं डांसरों के साथ लिखित अनुबंध को अनिवार्य किया गया है। 2005 से 2019 तक डांस बार रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खुले थे। उसके बाद नियम बना था कि डांसरों को टिप दी जा सकती है लेकिन उनके ऊपर रुपये नहीं लुटाए जा सकते हैं।

संपादक बाबूराव के स्मारक के लिए भूमि चयन का निर्देश

हिंदी पत्रकारिता के भीष्म पितामह थे पं. बाबूराव विष्णु पराड़कर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने सिंधुदुर्ग जिले में हिंदी पत्रकारिता के भीष्म पितामह कहे जाने वाले संपादक बाबूराव विष्णु राव पराडकर के स्मारक के लिए उपयुक्त भूमि चयन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मंगलवार को मुंबई मंत्रालय में आशीष शेलार की अध्यक्षता में पराड गांव में बनने वाले इस मेमोरियल को लेकर बैठक हुई। इसमें सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक विभीषण चवरे, पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. तेजस गर्गे, मुंबई पत्रकार संघ के अध्यक्ष संदीप चव्हाण समेत कई विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े।

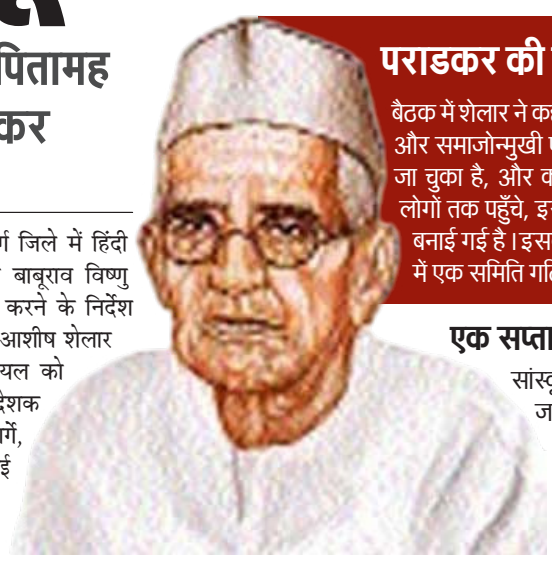

पराडकर की विरासत को उजागर करने पर जोर

बैठक में शेलार ने कहा कि प्रधान संपादक बाबूराव विष्णु राव पराडकर निर्भीक और समाजोन्मुखी पत्रकारिता के प्रतीक हैं। काशी में उनका स्मारक बनाया जा चुका है, और कोंकण के इस सपूत की जीवनगाथा अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे, इसी उद्देश्य से उनके पैतृक गांव में भी स्मारक की योजना बनाई गई है। इसके लिए सरकार ने सिंधुदुर्ग जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है।

एक सप्ताह में भूमि तय कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश

सांस्कृतिक मंत्री ने निर्देश दिया कि समिति मेमोरियल के लिए जमीन चिन्हित कर उसका सर्वेक्षण करे तथा स्थानीय लोगों की मांगों को भी ध्यान में रखे। साथ ही सिंधुदुर्ग के जिला कलेक्टर को सात से आठ दिनों में अंतिम निर्णय कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है, जिसके बाद स्मारक निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

डीबीडी विश्लेषण: नए शब्द गढ़ने वाला शिल्पी

बाबूराव विष्णु पराड़कर का जन्म 16 नवंबर 1883 को वाराणसी में बसे एक मराठी परिवार में हुआ था। संस्कृत में शुरुआती पढ़ाई के बाद उन्होंने वर्ष 1900 में भागलपुर से मैट्रिक की परीक्षा पास की। 1906 में 'हिंदी बंगवासी' के सहायक संपादक के रूप में पत्रकारिता की दुनिया में कदम रखा। भाषा की सेवा की चाह के चलते कोलकाता के नेशनल कॉलेज में हिंदी और मराठी भी पढ़ाने लगे। यह बात 'हिंदी बंगवासी' के प्रबंधक को नागवार गुजरी। उनकी आपत्ति के बाद पराड़कर जी ने 'हिंदी बंगवासी' छोड़ दिया। 1907 में वे बतौर संपादक 'हितवार्ता' से जुड़ गए। इसमें राजनीतिक विषयों पर सरल भाषा में लिखे उनके गंभीर समीक्षात्मक लेख काफी सराहे गए। क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े होने के चलते कई वर्षों तक जेल में रहने के बावजूद उन्होंने हिंदी की सेवा जारी रखी। 'भारतमित्र', 'आज' और 'संसार' जैसे समाचारपत्रों को बुलंदियों तक पहुंचाने का श्रेय पराड़कर जी को ही है। वे गीता की हिंदी टीका और प्रख्यात बांग्ला पुस्तक 'देशेर कथा' के हिंदी में बेहद प्रभावी अनुवाद के लिए भी जाने जाते हैं। 12 जनवरी 1955 को वाराणसी में उनका निधन हो गया।

मतदाता सूची पर आपत्तियों की अवधि बढ़ाने की मांग

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का राज्य चुनाव आयोग को पत्र

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

राज्य की महानगरपालिका चुनावों के लिए प्रारूप मतदाता सूची 20 नवंबर 2025 को जारी की गई है और आपत्तियाँ व सुझाव दर्ज करने के लिए 27 नवंबर तक का समय दिया गया है। कांग्रेस का कहना है कि यह अवधि बेहद कम है और मतदाताओं को अपनी आपत्तियाँ दर्ज करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने चुनाव आयोग से मांग की है कि सात दिनों की अवधि बढ़ाकर कम से कम 15 दिन की जाए। पार्टी का तर्क है कि इतने कम समय में मतदाताओं के लिए त्रुटियों की जाँच, सुधार और अपील प्रक्रिया पूरी करना संभव नहीं है।

नेताओं का संयुक्त पत्र चुनाव आयोग को भेजा गया

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार और विधान परिषद के गट नेता सतेज (बंटी) पाटिल ने राज्य चुनाव आयोग को संयुक्त पत्र भेजकर विस्तृत आपत्तियाँ दर्ज कराई हैं। उन्होंने कहा कि कई नगरपालिकाओं में सूचियों का प्रभागवार विभाजन सही तरीके से नहीं हुआ है।

आपत्ति दर्ज करने की प्रक्रिया बताई जटिल

नेताओं ने कहा कि हर व्यक्ति को निर्धारित फॉर्म भरकर आधार कार्ड संलग्न करना पड़ता है, जिससे प्रक्रिया समय लेने वाली और कठिन हो गई है। किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल द्वारा एक ही आवेदन में कई लोगों की शिकायतें दर्ज कराने का प्रावधान भी प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूचियों में पारदर्शिता और सटीकता लाने के लिए राजनीतिक दलों और नागरिकों की सभी शिकायतों का पंजीकरण जरूरी है। कई प्रभागों में मतदाताओं की संख्या अधिक होने से जाँच में और अधिक समय लगेगा। इसीलिए वे अवधि बढ़ाकर और समय उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

मतदाताओं के नाम गलत प्रभागों में दर्ज

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं जिनके नाम उनके वास्तविक निवास क्षेत्र से हटकर अन्य क्षेत्रों में दर्ज हो गए हैं। यह समस्या व्यापक है और इसे ठीक करने में समय लगेगा। इसलिए वर्तमान समयसीमा पर्याप्त नहीं है।

सत्ता में रहने वालों ने मराठी लोगों को मुंबई से बाहर फेंक दिया : डॉ. श्रीकांत शिंदे

डॉ. शिंदे ने उबाठापर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका में सत्ता होने के बावजूद मराठी लोगों के लिए ठोस काम न होने का आरोप लगाते हुए शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि हज़ारों मराठी परिवार 10 से 15 साल ट्रांजिट कैंपों में रहने को मजबूर रहे, लेकिन उनके पुनर्वसन के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने उबाठा और मनसे पर चुनाव आते ही मराठी मानुस के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

अवैध इमारतों पर मंत्रालय में अहम बैठक

कल्याण–डोंबिवली की 35 अवैध इमारतों के मुद्दे पर मंत्रालय में नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव और अपर मुख्य सचिव असीम गुप्ता के कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। क्षेत्र की 65 इमारतों को अदालत ने अवैध घोषित किया है, जिससे हज़ारों परिवारों पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है। सांसद शिंदे ने बताया कि अदालत के आदेशों का पालन करते हुए रहवासियों को राहत देने के विकल्पों पर विस्तृत चर्चा हुई।

रहिवासियों के लिए कानूनी रास्ता और त्वरित कार्रवाई

बैठक में सुझाव दिया गया कि रहवासी हाउसिंग सोसायटी बनाकर जमीन के मालिकाना हक की प्रक्रिया आसान कर सकते हैं, हालांकि पंजीकरण और दस्तावेज़ संबंधी कुछ तकनीकी अड़चनें मौजूद हैं। शिंदे ने बताया कि आधे से अधिक इमारतों का पंजीकरण तुरंत शुरू किया जा सकता है और बिल्डरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नगर विकास विभाग, ठाणे जिला प्रशासन और कल्याण–डोंबिवली महापालिका मिलकर संयुक्त प्रस्ताव तैयार कर इसे अगली मंत्रिमंडल बैठक में पेश करेंगे।

विपक्ष के आरोपों को बताया राजनीतिक हताशा

सांसद शिंदे ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मराठी लोगों को उनके हक का घर दिलाने का काम महायुती सरकार ने किया है, इसलिए मराठी समाज सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी हार को भांप चुका है और इसी कारण चुनाव आयोग पर आरोप लगाकर बहाने बना रहा है।

26/11 की 17वीं बरसी पर विशेष संकल्प कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले की बुधवार को 17वीं बरसी है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) गेटवे ऑफ इंडिया पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम में संकल्प लिया जाएगा कि ऐसा हमला दोबारा कभी न हो।

छात्रों की भागीदारी और तिरंगा रोशनी

एनएसजी अधिकारियों के अनुसार मुंबई के 11 कॉलेजों और 26 स्कूलों के छात्र इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। गेटवे ऑफ इंडिया पर संकल्प बूथ और संदेश-लेखन कोना बनाया जाएगा। शाम को गेटवे ऑफ इंडिया तिरंगे की रोशनी से जगमगाएगा और 'नेवरएवर' शब्द प्रक्षेपित किया जाएगा, जिससे सामूहिक संकल्प को और मजबूती मिलेगी।

शहीदों और पीड़ितों को मिलेगा सम्मान

समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों ने 26/11 को मुंबई पर हमला किया था, जिसमें 166 लोगों की मौत और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। एनएसजी ने बताया कि 'नेवरएवर (फिर कभी नहीं)' थीम पर आधारित इस भव्य संकल्प समारोह में शहीद पुलिसकर्मियों, नागरिकों और रक्षा कर्मियों के परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। बचे हुए लोगों और पीड़ितों को भी मंच पर विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी। स्मारक क्षेत्र में शहीदों की तस्वीरें और नाम प्रदर्शित किए जाएंगे।

अजित पवार के काफिले की गाड़ी ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार

महिला की मौत, पति और बच्चों की हालत गंभीर

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के काफिले में शामिल फायर ब्रिगेड वाहन से हुई टक्कर में गंभीर रूप से घायल कुसुम विष्णु सुदे (30) ने मंगलवार सुबह सह्याद्रि अस्पताल, लातूर में दम तोड़ दिया। कुसुम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार 22 नवंबर को अजीत पवार परतुर से औसा की ओर चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे। तेलगांव-धारुर हाइवे पर धुंकावद फाटा के पास उनके काफिले में शामिल फायर ब्रिगेड की गाड़ी एक मोटरसाइकिल से टकरा गई।

परिवार के चारों सदस्य गंभीर रूप से घायल

इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार कुसुम सुदे, उनके पति विष्णु दामोदर सुदे (35) और दो बेटियां रागिनी (9) व अक्षरा (6) गंभीर रूप से घायल हुए। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल चकनाचूर हो गई।

गौरी गर्जे खुदकुशी प्रकरण

मुझे पता होता तो अनंत को दो तमाचा लगाती : मुंडे

गौरी के मां बाप से बोली मंत्री पंकजा मुंडे

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक अनंत गर्जे की पत्नी डॉ. गौरी गर्जे की कथित खुदकुशी का मामला लगातार विवादों में घिरता जा रहा है। पुलिस ने अनंत, उसके भाई और बहन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। वहीं, विपक्ष इस घटना को लेकर पंकजा मुंडे को घेरने की कोशिश कर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में पंकजा बीड पहुंचीं और गौरी के माता-पिता अशोक व अलकनंदा पालवे से मिलकर दुख व्यक्त किया।

परिजनों से मुलाकात में भावुक हुईं पंकजा

शिरूर कासार तालुका के पिंपलनेर गांव में जब पंकजा मुंडे गौरी के परिवार से मिलीं तो भावुक माहौल बन गया। गौरी के पिता उन्हें देखते ही फूट-फूटकर रो पड़े, जिससे पंकजा भी भावुक हो गईं। परिवार ने अपनी पीड़ा बताते हुए दावा किया कि गौरी की आत्महत्या नहीं हुई, बल्कि उसकी हत्या की गई है, और उन्होंने मंत्री से न्याय की मांग की।

मैंने किसी को नहीं बचाया: पंकजा

परिजनों के सामने पंकजा मुंडे ने खुद पर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें गौरी की समस्याओं की कोई जानकारी नहीं थी और वे किसी भी तरह से अनंत को बचाने की कोशिश नहीं कर रहीं। उन्होंने कहा कि उनके पास दस पीए हैं, और वेतनभोगी कर्मचारियों के निजी जीवन की जानकारी उन्हें नहीं होती।

पश्चिम रेलवे

निर्देश बोर्ड की व्यवस्था

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (पावर)/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल, **ई-निविदा सूचना सं. EL-166-1-WA-58, दिनांक 21.11.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थानः** मुंबई मंडल – यात्रियों एवं सेवा लिफ्टों के लिए सुरक्षा आपातकालीन निर्देश तथा संपर्क नंबरों हेतु अंग्रेजी, हिंदी एवं मराठी/गुजराती में मुद्रित लेखों सहित निर्देश बोर्ड की व्यवस्था। **कार्य की अनुमानित लागतः** 4,86,620/- **ई.एम.डी.:** 9,700/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 15.12.2025, दोपहर 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 15.12.2025, दोपहर 15:30 बजे अधिक विवरण हेतु कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर विज़िट करें। **0829**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

'मिशन मुंबई' पर आगे बढ़ी कांग्रेस

मुंबई कांग्रेस ने बनाई पार्लियामेंट्री स्क्रूटनी कमेटी

बीएमसी चुनाव

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विभागीय कांग्रेस कमेटी ने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक पार्लियामेंट्री स्क्रूटनी कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद वर्षा गायकवाड़ के आदेश पर बनाई गई है। प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस के अनुसार, कमेटी जिला अध्यक्षों के साथ बैठकें करेगी, जिला स्तर पर बनी कमेटियों, कास्ट वैलिडिटी और स्क्रूटनी कमेटियों के साथ समन्वय स्थापित कर कैंडिडेट्स के एप्लीकेशन की जांच करके जिला-वाइज पैनल तैयार करेगी।

नॉमिनेशन फाइलिंग और इंटरव्यू की प्रक्रिया

डिस्ट्रिक्ट कमेटियों के साथ मिलकर यह स्क्रूटनी कमेटी कैंडिडेट्स को उनके नॉमिनेशन पेपर फाइल करने में सहायता करेगी। योग्य उम्मीदवारों के इंटरव्यू लिए जाएंगे और अंतिम सूची तैयार कर पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व को सौंपी जाएगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य चुनावी तैयारी को मजबूत करना और योग्य उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित करना है।

मध्य रेल

ओवरहॉलिंग एवं परीक्षण कार्य

निविदा सूचना क्र. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/292/24–25/68/आर 1. कार्य का विवरणः ईएमयू पीओएच वर्कशॉप, सानपाड़ा में EMU/DEMU/SPART/SPIC/टॉवर कार एवं अन्य विविध विद्युत एवं वायवीय उपकरणों के ओवरहॉलिंग एवं परीक्षण कार्य हेतु सामान्य विद्युत व्यवस्था सहित 50x10 वर्गमीटर आकार का G+1 कार्यस्थल भवन का निर्माण। **2. अनुमानित लागतः** Rs. 20500023.31 **3. ई एम डीः** Rs. 252500/– **4. निविदा प्रपत्र का शुल्कः** NIL **5. समापन अवधीः** 12 महीना **6. निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधीः** 15/12/2025, 14:30 बजे तक **7. बोली शुरू करने की तारीखः** 01/12/2025 **8.** टेंडर केवल ई टेंडरिंग में बेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है। **686**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

मेकॅनिकल कार्य

क्रमांक:–GEM/2025/B/6901048

dated:-24-11-2025

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओरसे निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम स्थान सहितः** सोलापुर डिवीजन के पंढरपुर स्टेशन पर प्लेटफार्म रिटर्न (आरबीपीसी) / टर्मिनल ट्रेनों की मशीनीकृत आंतरिक सफाई और पानी देने का अनुबंध कार्य तीन साल की अवधि के लिए जनशक्ति के आधार पर जेम के माध्यम से किया गया। **2. निविदा कार्य पद्धतिः** दो पॅकेट सिस्टम **3. कार्य की औसत लागतः** रु. 1,06,00,345.92/– **4. निविदा प्रपत्र मुल्यः** Nil **5. कार्यालय का पता, जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।:** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर **6. जमा करने योग्य बयाना रकमः** Rs. 2,03,010/– **7. कार्य का समापन अवधिः** तीन साल कार्य की प्रारंभ की तिथी से **8. निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समयः** 17.12.2025 at 10.00 hrs. **9. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समयः** 17.12.2025 at 10.30 hrs. **10. वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपूर्ण विवरण देखे जा सकते है।: : www.gem.gov.in** ANJ-66

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

26/11 मुंबई हमला

पुलिस क्लीयरेंस के बिना भी काम कर सकते हैं फहीम अंसारी

सरकार ने हाई कोर्ट को दी जानकारी

मुंबई। राज्य सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि 26/11 मुंबई हमले के मामले में बरी हुए फहीम अंसारी ऐसी कोई भी नौकरी कर सकते हैं, जिसके लिए पुलिस क्लीयरेंस या चरित्र सत्यापन सर्टिफिकेट जरूरी नहीं है। अंसारी ने जनवरी में याचिका दायर कर ऑटो रिक्शा परमिट के लिए पुलिस क्लीयरेंस मांगा था, जिस पर अदालत ने सरकार से जवाब तलब किया था। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के सवाल पर सरकार ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि अंसारी पर एक बैन आतंकी संगठन का सक्रिय सदस्य होने का शक रहा है, इसलिए उसका पुलिस क्लीयरेंस आवेदन खारिज किया गया। सरकार ने यह भी कहा कि उस पर अभी निगरानी रखी जा रही है। अतिरिक्त लोक अभियोजक अमित पालकर ने अदालत में उन प्रोफेशन की सूची पेश की, जिनके लिए पुलिस क्लीयरेंस या कैरेक्टर वेरिफिकेशन जरूरी होता है—सरकारी और सेमी-सरकारी पद, म्युनिसिपल नौकरी, आरटीओ बैज और परमिट, स्कूल-कॉलेज, सिक्योरिटी सर्विसेज आदि।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (सिवरेज ऑपरेशन) विभाग

क्रमांकः .../Sew/5593 City-1 दिनांकः 25 नवम्बर 2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त निम्नलिखित ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा प्रत MahaTender Portal के "e-procurement" अनुभाग में (http://mahatenders.gov.in/nicgep/app) से डाउनलोड की जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	टेंडर संदर्भ क्र.	ईएमडी (रू)	टेंडर शुल्क (रू)	निविदा देय तिथि
1	नीपियनसी रोड सीवेज पंपिंग स्टेशन के संचालन हेतु सेवाएं हायर करने का कार्य	Tender ID: 2025_MCGM_1251531_1	16,000/-	3630.00 + 18% GST	08.12.2025 शाम 04:00 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए लॉग ऑन करें: http://mahatenders.gov.in/nicgep/app

पीआरओ/2374/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता,
यांत्रिकी (सीवेज) सिटी1

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

दूरध्वनीः 022-66405250, ई-मेलः eee.east1@gmail.com

संदर्भ संख्याः EE/East/MSIB / etender/83/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 83

कार्यकारी अभियंता (पूर्व विभाग), मुंबई स्लम सुधार बोर्ड (MHADA का एक विभाग), कक्ष क्र. 536, 4था मजला, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400051, दूरध्वनीः (022) 66405251 द्वारा 29 कार्यों के लिए ओपन/रेगुलर ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। ये निविदाएं B1 (प्रतिशत दर) फॉर्म में संबंधित उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों अथवा किसी भी सरकारी/अर्ध-सरकारी संगठन के ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे तथा वहीं से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज विक्री प्रारंभः 27/11/2025, सुबह 10.30 बजे निविदा दस्तावेज विक्री समाप्तः 04/12/2025, शाम 6.15 बजे यदि कोई कोरिजेंडम/सुधार जारी किए जाते हैं, तो वे केवल https://mahatenders.gov.in पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। प्राधिकृत अधिकारी को किसी भी अथवा सभी निविदाओं को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है। शर्तीय निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/1015

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
M.S.I.B. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

संपादकीय

घातक योजना

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। सीमा की निगरानी व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाये जाने की सख्त आवश्यकता है।

शख्सियत | जस्सी गिल

म्यूज़िक का मैजिक-जस्सी गिल

जसदीप सिंह गिल (जन्म 26 नवंबर 1988) एक भारतीय गायक, लाइव परफॉर्मर और अभिनेता हैं जो पंजाबी और हिंदी भाषा के संगीत और फिल्मों से जुड़े हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में 2014 की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज 420 और हिंदी सिनेमा में 2018 की फिल्म हैप्पी फिर भाग जाएगी से शुरुआत की।

गिल का जन्म 26 नवंबर 1988 को पंजाब के लुधियाना जिले में स्थित खन्ना के पास जंडाली गाँव में जसदीप सिंह गिल के रूप में हुआ था। बचपन से ही उनके भीतर संगीत के प्रति खास लगाव था। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने अपने पसंदीदा दो विषय– संगीत और शारीरिक शिक्षा – चुने। कॉलेज के दौरान उन्हें स्थानीय युवा उत्सवों में मंच मिला, जहाँ उन्होंने लगातार चार बार दूसरे स्थान पर रहते हुए अपनी प्रतिभा का सशक्त परिचय दिया। अपनी गायकी को पहचान दिलाने के लिए उन्होंने तीन साल तक कड़ी मेहनत और संघर्ष किया। निजी जीवन में गिल एक पारिवारिक इंसान हैं। वह विवाहित हैं और एक बेटी, रूजस कौर गिल, तथा एक बेटे, जैज़विन गिल के पिता हैं।

संगीत करियर की औपचारिक शुरुआत उन्होंने 2011 में अपने पहले एल्बम बैचमेट से की, जिसमें लोकप्रिय गीत ₹चुरियां₹ शामिल था। 2012 में गिल ने अपना सिंगल ₹विग्रे शराबी₹ रिलीज़ किया, जिसने युवा श्रोताओं के बीच अच्छी पहचान बनाई। जनवरी 2013 में उनका दूसरा एल्बम बैचमेट 2 रिलीज़ हुआ, जिसमें नरिंदर बठ्ठ द्वारा लिखे गए बोलों वाला चर्चित गाना ₹लांसर₹ खासतौर पर लोकप्रिय हुआ। इसके बाद गिल ने ₹क्लासमेट₹ गाना रिलीज़ किया, जो फिल्म डैडी कूल मुंडे फूल में दिखाया गया। सितंबर 2013 में उनका रोमांटिक सिंगल ₹प्यार मेरा₹ भी दर्शकों के बीच खूब पसंद किया गया। अपने एल्बम रीप्ले की रिलीज़ के बाद वह 2017 में एक और सफल सिंगल ₹नखरे₹ लेकर आए, जिसने उन्हें संगीत जगत में और मज़बूती से स्थापित किया।

अपने गायन करियर के साथ-साथ गिल ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत मिस्टर एंड मिसेज 420 से की, जिसमें उनके अभिनय को सराहा गया। इसके बाद उन्होंने दिल विल प्यार व्यार और रोमांटिक कॉमेडी मुंडेयां टन बचके राहिन में रोशन प्रिंस और सिमरन कौर मुंडी के साथ काम किया।

2015 में उन्होंने गौहर खान के साथ ओह यारा ऐनवाई ऐनवाई लुट गया फिल्म साइन की, जिसने पंजाबी फिल्मों में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया। इसके बाद उन्होंने नीरू बाजवा के साथ चन्नो कमली यार दी में शानदार अभिनय किया। गिल का हिंदी सिनेमा में पदार्पण 2018 में सोनाक्षी सिन्हा, डायना पेंटी और जिमी शेरगिल के साथ फिल्म हैप्पी फिर भाग जाएगी से हुआ, जो 24 अगस्त 2018 को रिलीज़ हुई।

2020 में उन्होंने कंगना रनौत के साथ स्पोर्ट्स ड्रामा पंगा में अपनी भूमिकात्मक क्षमता का नया आयाम दिखाया। 2021 में वह फिल्म क्या मेरी सोनम गुप्ता बेवफा है में नजर आए। इसके अलावा उनकी पहली फिल्म में लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि ज्योति सह-कलाकार थीं। 2023 में गिल ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में पलक तिवारी के साथ मोह की भूमिका निभाई, जिसमें उनकी मौजूदगी दर्शकों को पसंद आई।

अपने आकर्षक व्यक्तित्व और बहुमुखी प्रतिभा के कारण गिल लगातार लोकप्रियता की सूची में बने रहे। उन्हें द टाइम्स मोस्ट डिज़ायरेबल मेन में 2018 में 42वां, 2019 में 44वां और 2020 में फिर से 42वां स्थान मिला। यह उनकी बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों के बीच उनकी मजबूत पकड़ का प्रमाण है।

“हमेशा ऑनलाइन” रहने की दौड़ से थकते युवा

डॉ0 सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं के मानसिक संतुलन और जीवनशैली पर गहरा असर डाल रहा है। लाइक, व्यूज़ और फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें एक अदृश्य दबाव में धकेल दिया है, जहाँ डिजिटल मान्यता ही आत्मविश्वास का आधार बनती जा रही है। घंटों स्क्रोल करना, हर पल ऑनलाइन बने रहना और दूसरों से तुलना करना तनाव, अनिद्रा, चिंता और अकेलेपन को जन्म दे रहा है। वास्तविक रिश्ते, संवाद और अनुभव स्क्रीन के पीछे छूटते जा रहे हैं। समाधान डिजिटल अनुशासन, सीमित उपयोग, नोटिफिकेशन नियंत्रण और वास्तविक दुनिया को प्राथमिकता देने में है। संतुलन ही मानसिक शांति का आधार है।

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज़, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है—यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज़ के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है—एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज़ नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते—सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18–34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं—इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे “कनेक्टेड” दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

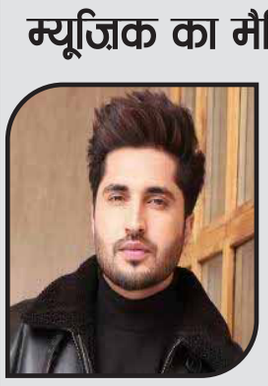

दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह “पोस्ट करने लायक” तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले “परफेक्ट रिश्तों” से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है—हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है।

जीवन मंत्र

क्रोध से कलुषित बुद्धि कर्तव्य-अकर्तव्य का विचार नहीं करती

जिन कार्यों को व्यक्ति सामान्य समय में गलत और हानिकारक मानता है, वे क्रोध में उसे उचित और आवश्यक लगने लगते हैं। यह भावनात्मक आवेश बुद्धि की दिशा बदल देता है। ध्यान प्रतिशोध पर टिक जाता है, और मन में यह भ्रम उत्पन्न हो जाता है कि यह क्रिया आवश्यक है, चाहे वह नैतिक रूप से गलत ही क्यों न हो।

यह वाक्य मानव स्वभाव के एक गहरे सत्य को उजागर करता है—जब मन क्रोध से भर जाता है, तब बुद्धि की स्पष्टता धुंधली पड़ जाती है। क्रोध एक ऐसा भाव है जो व्यक्ति को सोचने, परखने और समझने की शक्ति से दूर ले जाता है। सामान्य परिस्थितियों में जो निर्णय आसानी से किया जा सकता है, वही निर्णय क्रोध के समय भारी भ्रम और भावनात्मक अंधकार में बदल जाता है। बुद्धि का संतुलन बिगड़ते ही व्यक्ति सही-गलत, कर्तव्य-अकर्तव्य और न्याय-अन्याय का भेद करने में असमर्थ हो जाता है।

क्रोध मन और चेतना पर पर्दा डाल देता है। जैसे धुआँ शीशे को धुंधला कर देता है और सामने का दृश्य अदृश्य कर देता है, वैसे ही क्रोध विवेक को ढक देता है। इस अवस्था में व्यक्ति परिस्थितियों को वास्तविक रूप में नहीं देख पाता। वह केवल अपनी चोटिल भावना, आहत अहं और क्षणिक वेग को सच मान लेता है। इस कारण वह वह चीजें भी कर बैठता है जिनके परिणाम बाद में स्वयं उसे ही

पीड़ा देते हैं। कई बार क्रोध में बोले गए शब्द या किए गए निर्णय रिश्तों को तोड़ देते हैं, अवसरों को नष्ट कर देते हैं और व्यक्ति के जीवन में अनचाहा बोझ छोड़ जाते हैं।

कर्तव्य का अर्थ है—वह कर्म जो संयम, विवेक और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। लेकिन क्रोध इस संयम को भंग कर देता है। क्रोध में व्यक्ति का ध्यान अपने उत्तरदायित्व से हटकर बदले, प्रतिरोध या प्रतिक्रिया पर केंद्रित हो जाता है। वह यह सोचना भी बंद कर देता है कि उसके आचरण से सामने वाले पर, समाज पर या स्वयं पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस तरह क्रोध व्यक्ति को अपने कर्तव्य से भटका कर ऐसे कार्यों में उलझा देता है जो उसके हित में नहीं होते।

अकर्तव्य का क्षेत्र भी क्रोध से विस्तृत हो जाता है। जिन कार्यों को व्यक्ति सामान्य समय में गलत और हानिकारक मानता है, वे क्रोध में उसे उचित और आवश्यक लगने लगते हैं। यह भावनात्मक आवेश बुद्धि की दिशा बदल देता है। ध्यान प्रतिशोध पर टिक जाता है, और मन में यह भ्रम उत्पन्न हो जाता है कि यह क्रिया आवश्यक है, चाहे वह नैतिक रूप से गलत ही क्यों न हो। आत्म-नियंत्रण का क्षरण व्यक्ति को ऐसे रास्ते पर ले जाता है जहाँ बुद्धि का प्रकाश लगभग बुझ जाता है।

जीवन ऊर्जा

राम शरण शर्मा : जन्म- 26 नवंबर 1919 | जन्म

इतिहास अतीत नहीं, वर्तमान की कुंजी है

राम शरण शर्मा (26 नवंबर 1919 – 20 अगस्त 2011) एक भारतीय इतिहासकार और इंडोलॉजिस्ट थे, जो प्राचीन और प्रारंभिक मध्यकालीन भारत के इतिहास में विशेषज्ञता रखते थे। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय (1973–85) में पढ़ाया और टोरंटो विश्वविद्यालय (1965–1966) में विजिटिंग फैकल्टी रहे। वह लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज़ में सीनियर फेलो भी थे।

इतिहास केवल बीते हुए समय की घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि मनुष्य की सभ्यता, समाज और विचारों की यात्रा को समझने की एक गहरी प्रक्रिया है। जब हम इतिहास को पढ़ते हैं, तो हमें यह एहसास होता है कि हमारे पूर्वज किन परिस्थितियों से गुज़रे, उन्होंने कौन-कौन से फैसले लिए और उन फैसलों ने समाज की दिशा कैसे निर्धारित की। यह समझ आज के दौर में भी हमें बताती है कि हमारी सोच, हमारी परंपराएँ और हमारे मूल्य कहाँ से आए हैं। इस तरह इतिहास अतीत की कहानी भर नहीं, बल्कि वर्तमान की जड़ों को पहचानने का माध्यम है। वर्तमान दुनिया जिन समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रही है—जैसे राजनीति, सामाजिक असमानता,

संघर्ष, विचारधाराएँ और विकास—वे अचानक पैदा नहीं हुईं। उनका अपना ऐतिहासिक कारण और पृष्ठभूमि है। जब हम इतिहास का अध्ययन करते हैं, तो हम उन कारणों की पहचान कर पाते हैं जिनसे आज की परिस्थितियाँ बनीं। इससे हम यह समझते हैं कि वर्तमान परिस्थितियों का समाधान केवल तकनीक या नीतियों से नहीं, बल्कि उनके मूल कारणों को समझकर ही निकाला जा सकता है। इसलिए इतिहास वर्तमान को सही दिशा में देखने की कुंजी बन जाता है।

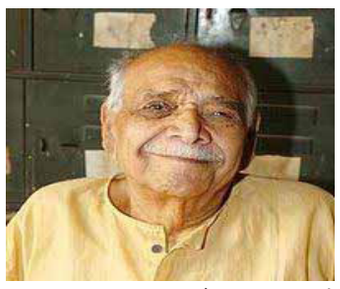

इतिहास हमें मानव व्यवहार के पैटर्न भी दिखाता है—कैसे समाज उभरते हैं, कैसे गिरते हैं, और कैसे संघर्षों के बाद फिर खड़े होते हैं। साम्राज्यों का उदय और पतन, समाजों में बदलाव, और विचारों का विकास—ये सब बताता है कि मनुष्य किन स्थितियों में कैसी प्रतिक्रिया देता है। जब हम इन पैटर्नों को समझ लेते हैं, तो वर्तमान में भी समान परिस्थितियों का विश्लेषण करना आसान हो जाता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धन नहीं, चरित्र ही व्यक्ति का मूल्य बताता है

यह समझना आवश्यक है कि जीवन केवल शरीर, धन और बाहरी उपलब्धियों का खेल नहीं है, बल्कि यह आत्मा, चेतना और सद्गुणों का निरंतर विकास है। मनुष्य जिस क्षण जन्म लेता है, उसी क्षण से वह सीखने की यात्रा पर चल पड़ता है। बचपन में उसकी दुनिया छोटी होती है, पर विचार निर्मल होते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे दुनिया का विस्तार होता है, और साथ ही बढ़ती हैं उसकी इच्छाएँ, महत्वाकांक्षाएँ और संघर्ष। यही वह समय होता है जब मनुष्य धन-संपत्ति को जीवन का मुख्य लक्ष्य समझ बैठता है। परंतु जीवन निरंतर यह याद दिलाता रहता है कि पैसा केवल साधन है, लक्ष्य नहीं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

धन-संपत्ति के प्रति अत्यधिक मोह मनुष्य के भीतर चिंता, ईर्ष्या और असंतोष को जन्म देता है। जब वह किसी से तुलना करने लगता है, तब उसकी खुशी दूसरों की उपलब्धियों पर निर्भर होने लगती है। धीरे-धीरे यह मानसिकता मनुष्य को भीतर से खोखला बना देती है। वह स्वयं को बाहरी वस्तुओं के आधार पर पहचानने लगता है, जबकि सच्चाई यह है कि व्यक्ति की पहचान बाहरी वैभव से नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व, विचारों और व्यवहार से बनती है। जिन लोगों में सत्य, कर्तव्य, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना गहराई से जुड़ी होती है, वे ही वास्तव में समाज में सम्मान पाते हैं।

जीवन में अनेक ऐसे अवसर आते हैं जहाँ मनुष्य के निर्णय यह तय करते हैं कि वह किस दिशा में आगे बढ़ेगा—भ्रम की ओर या सत्य की ओर। यदि वह अपने गुणों को मजबूत करता है, तो वह हर चुनौती में संभल जाता है। लेकिन यदि वह केवल भौतिक चीज़ों के पीछे भागता है, तो जीवन के अंत में उसे केवल पछतावा ही मिलता है। यही कारण है कि विद्वानों ने कहा है—“धन का मूल्य सीमित है, पर चरित्र का मूल्य अनंत है।” यह चरित्र ही वह

प्रकाश है जो कठिन समय में भी दिशा दिखाता है, और यही वह संपत्ति है जिसे कोई छीन नहीं सकता।

यह भी आवश्यक है कि मनुष्य अपने भीतर संचित मूल्यों को केवल अपने तक सीमित न रखे, बल्कि उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुँचाए। आज के समय में बच्चे भौतिक सुख-सुविधाओं में तो बड़े हो रहे हैं, लेकिन उनमें धैर्य, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी जैसे गुण कम होते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि माता-पिता केवल धन छोड़ना चाहते हैं, संस्कार नहीं। यदि हम चाहते हैं कि समाज में नैतिकता, इंसानियत और सामंजस्य बना रहे, तो हमें अगली पीढ़ी को ऐसी विरासत देनी होगी जो उन्हें सशक्त, स्थिर और संवेदनशील बनाए। यह विरासत धन नहीं, बल्कि विचारों और मूल्यों की होती है। अंत में यही कहा जा सकता है कि मनुष्य का अंतिम वैभव उसके आचरण, विनम्रता और मानवता में छिपा होता है। दुनिया में करोड़ों लोग पैदा होते हैं और चले जाते हैं, लेकिन वही लोग याद रहते हैं जिन्होंने अपने कर्मों से दुनिया को बेहतर बनाया। जो अपने शब्दों से प्रेरणा देते हैं, अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और अपने गुणों से समाज को ऊँचा उठाते हैं। इसलिए जीवन का लक्ष्य केवल धन कमाना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा चरित्र बनाना चाहिए जिसे देखकर लोग कहें—“यह व्यक्ति धनवान नहीं, गुणवान है।” यही वह संपत्ति है जो अमर रहती है, और यही मनुष्य को वास्तव में महान बनाती है।

अपने विचार

यह धर्म ध्वज वही है, जो रामराज्य के दौरान लहराया गया था। विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक रहे अशोक सिंहल, महंत रामचंद्र दास परमहंस और विष्णु हरि डालमिया जैसे लोगों की आत्मा को संतुष्टि मिली होगी।

–मोहन भागवत, सरसंघचालक, RSS

अगर हम चुनाव आयोग और ईवीएम को लेकर आरोप लगाते हैं तो ये कहते रहने से नहीं होगा। इस पर व्यापक जन आंदोलन की ज़रूरत है। कई पार्टियां इस पर बात कर रही हैं। ज़रूरत है कि वो ज़मीन पर आएं, साथ आएं और कहें कि चुनाव तभी करेंगे जब आप बैलट पेपर से कराएंगे।

–प्रशांत किशोर, संस्थापक, जन सुराज पार्टी

खुदा, इबादत, इस्लाम के नाम पर मस्जिद बने हम सम्मान करेंगे लेकिन बाबर के नाम से बनी हुई इमारत का वही हाल होगा जो 6 दिसंबर को अयोध्या में हुआ था, ईंटे भी गायब हो गई थीं।

–उमा भारती, भाजपा नेता

जो हश्र धरती पर डायनासोर का हुआ, आने वाले वक्त में वही हश्र बिहार में राजद का होगा। अब तो सब लोग कहने लगे हैं। धरती पर दोबारा डायनासोर आ सकता है पर बिहार में राजद के लोग नहीं आ सकते।

–जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

आइस मेक रेफ्रिजरेशन में एम. श्रीनिवास रेड्डी नए सीईओ नियुक्त

मुंबई। आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने 14 नवंबर 2025 से प्रभावी नियुक्ति के साथ एम. श्रीनिवास रेड्डी को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) घोषित किया है। तीन दशकों से अधिक का उद्योग अनुभव, मजबूत नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक दृष्टि के साथ रेड्डी कंपनी से जुड़े हैं। इंजीनियरिंग स्नातक, एमबीए धारक और लंदन बिज़नेस स्कूल के सीनियर एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के पूर्व छात्र रहे रेड्डी 2024-25 में CII महाराष्ट्र राज्य परिषद के निर्वाचित सदस्य भी थे। इससे पहले वे ब्लू स्टार में नेतृत्वकारी पदों पर रहे हैं। कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रकांत पी. पटेल ने कहा कि रेड्डी की विशेषज्ञता और व्यवसाय विस्तार का अनुभव आइस मेक के लिए अत्यंत मूल्यवान साबित होगा।

सड़क रुंदीकरण से उजड़े भिवंडी के नागरिकों के लिए मुआवज़ा व पुनर्वसन की मांग

भिवंडी। भिवंडी शहर में कल्याण नाका से अंजुरफाटा तक सड़क रुंदीकरण के दौरान दुकानों, गालों और घरों के ध्वस्त होने से बेघर और बेरोज़गार हुए नागरिकों के लिए बहुजन समाज पार्टी (BSP) ने सरकार से तत्काल मुआवज़ा और पुनर्वसन की मांग की है। बसपा के ठाणे जिला कोषाध्यक्ष व भिवंडी शहर प्रभारी नसीम अहमद शेख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे गए पत्र में बताया कि भिवंडी वर्षो से मज़दूरों का शहर रहा है, जहाँ कई परिवार 50–100 वर्षों से बसे थे, लेकिन बिना उचित मुआवज़ा और पुनर्वसन के उनकी पुश्तैनी दुकानें व मकान तोड़ दिए गए, जिससे कई परिवार पूरी तरह उजड़ गए हैं। बसपा ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि भिवंडी मनपा ने प्रभावितों को TDR देने की बात कही थी, जबकि नागरिक सीधा मुआवज़ा या पुनर्वसन चाहते हैं। इसी मांग को आगे बढ़ाते हुए पार्टी ने सभी प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और पूरी कार्यवाही का विस्तृत लेखी विवरण उपलब्ध कराने की अपील की है।

बच्चों के लिए 'पुलिस स्टेशन एक्सपीरियंस टूर'

ठाणे। वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह के अवसर पर केंद्र सरकार की अपील के तहत कोपरी पुलिस स्टेशन ने सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए नानिक इंग्लिश स्कूल के छात्रों के लिए 'पुलिस स्टेशन एक्सपीरियंस टूर' आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के मन में पुलिस को लेकर बनी गलतफहमियों को दूर करना और उन्हें पुलिस की असल जिम्मेदारियों से अवगत कराना था। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर निशिकांत विश्वकर के मार्गदर्शन में छात्रों को क्राइम रजिस्ट्रेशन, इन्वेस्टिगेशन, कंप्लेंट रिड्रेसल, पुलिस की रोज़मर्रा की कार्यप्रणाली और इमीडिएट रिस्पॉन्स टीम के कामकाज का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया गया। इसके साथ ही बच्चों को SLR राइफल, AK-47, कार्बाइन, गैस गन और हथकड़ी जैसे उपकरणों की जानकारी दी गई तथा साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया सेफ्टी और नए कानूनों के बारे में भी शिक्षित किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। मौके पर पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप केरकर, पुलिस सब-इंस्पेक्टर सीताराम गावित, रोहिणी नरसिंघे, जितेंद्र खलाटे और सुप्रिया खैरनार मौजूद रहे।

मुंबई में म्हाडा बिल्डिंगों के बड़े पैमाने पर रीडेवलपमेंट की तैयारी

388 म्हाडा बिल्डिंगों और 13,800 चॉलों के रीडेवलपमेंट का ऐलान

दीपक पवार | मुंबई

म्हाडा की 388 दोबारा बनी बिल्डिंगों और शहरभर की 13,800 सेस्ड एवं पुरानी चॉलों का रीडेवलपमेंट ग्रुप रीडेवलपमेंट मॉडल के तहत किया जाएगा। सेल्फ/ग्रुप रीडेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन प्रवीण दारकेकर ने यह घोषणा की, साथ ही यह भी बताया कि MHADA एक सप्ताह के अंदर सिंगल बिल्डिंगों के रीडेवलपमेंट प्रस्तावों को मंजूरी देगा। सोमवार को MHADA में हुई बैठक में रीडेवलपमेंट से जुड़ी अड़चनों और समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई।

क्लस्टर रीडेवलपमेंट का ब्लूप्रिंट

दारकेकर ने बताया कि सेवरी, वडाला और भायखला में 60–70 MHADA बिल्डिंगों के क्लस्टर बनाए जा सकते हैं, जिसमें सिर्फ MHADA रिपेयर बोर्ड की बिल्डिंगें शामिल होंगी। इससे डेवलपर चयन में होने वाले विवाद खत्म होंगे और मुंबईकरों को बेहतर, सुरक्षित और तेज़ रीडेवलपमेंट के जरिए घर मिल सकेंगे। लोअर परेल, प्रभादेवी, दादर, माहिम, मानखुर्द, सायन, गिरगांव, उमरखाड़ी, मदनपुरा, मझगांव, डोंगरी और ग्रांट रोड जैसे इलाकों में भी MHADA इमारतों के ऐसे समूह मौजूद हैं।

बैठक में रीडेवलपमेंट की रुकावटों पर विस्तृत चर्चा

चेयरमैन दारकेकर की अध्यक्षता में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में MHADA की 388 रीकंस्ट्रक्टेड बिल्डिंगों और मुंबई की 13,800 पुरानी एवं बंद इमारतों के रीडेवलपमेंट में आ रही चुनौतियों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में MHADA के वाइस चेयरमैन संजीव जायसवाल, चीफ ऑफिसर मिलिंद शंभरकर, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक प्रसाद लाड, डिप्टी CEO अनिल वानखेड़े और संघर्ष समिति की विनीता राणे समेत कई लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर मौजूदा बाधाओं को दूर करने के उपाय सुझाए।

ग्रुप रीडेवलपमेंट मॉडल को बढ़ावा

MHADA की ओर से संजीव जायसवाल ने कहा कि अगर सभी 388 बिल्डिंगों को एक साथ रीडेवलप करना है, तो रहने वालों को मीटिंग लेकर डेवलपर का चयन करना होगा और MHADA को प्रस्ताव भेजना होगा। अगर ग्रुप रीडेवलपमेंट का सामूहिक निर्णय होता है, तो MHADA इस पर तेज़ी से कार्रवाई करेगा। इससे पेंडेंसी घटेगी और रीडेवलपमेंट प्रक्रिया पारदर्शी व समयबद्ध बनेगी।

13,800 पुरानी चॉलों की दिक्कतें

दक्षिण और दक्षिण-मध्य मुंबई की 13,800 चॉलें 1970–1990 के बीच बनी थीं और आज जर्जर हालत में हैं। कई चॉलें सड़क चौड़ीकरण, रेलवे बफर ज़ोन और संकरी गलियों से प्रभावित हैं। बड़ी संख्या में चॉल मालिक वर्षों से गायब हैं या विदेश में हैं, जबकि किराया वसूली के एजेंट निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। कई इमारतें कोर्ट की कस्टडी में हैं। 40 साल से सुप्रीम कोर्ट में लंबित किराएदार–मालिक विवाद और 79(A) जैसे नए कानून भी कोर्ट में अटके होने से रीडेवलपमेंट रुका हुआ है। 20–30 लाख मुंबईकर आज भी खस्ताहाल चॉलों में रहने को मजबूर हैं।

बैठक में लिए गए अन्य निर्णय

मीटिंग में तय किया गया कि सिंगल बिल्डिंगों के चार प्रस्ताव MHADA को मिले हैं, जिन्हें एक सप्ताह में मंज़ूरी दी जाएगी। MHADA 33(24) के लिए कंसेंट फॉर्म जारी करेगा और एक ही मालिक के दो कमरों वाले मामलों में एक घर मुफ्त देने की मांग पर पुनर्विचार करेगा। इसके अलावा 33(24) स्कीम के बारे में निवासियों को जानकारी देने के लिए बिल्डिंगों में फ्लेक्स लगाए जाएंगे, ताकि रीडेवलपमेंट में भागीदारी और पारदर्शिता बढ़ सके।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जीता वर्ल्ड कप

पश्चिम रेलवे की सोनाली शिंगटे ने किया शानदार प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत ने 17 से 24 नवंबर 2025 तक ढाका में आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप के रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर खिताब जीत लिया, जो पूरे देश और पश्चिम रेलवे के लिए गर्व का क्षण है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल में डिप्टी चीफ टिकट इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत सोनाली शिंगटे ने टीम की राइट रेडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में उनकी फुर्ती, आत्मविश्वास और सटीक रेड्स ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सोनाली शिंगटे के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व

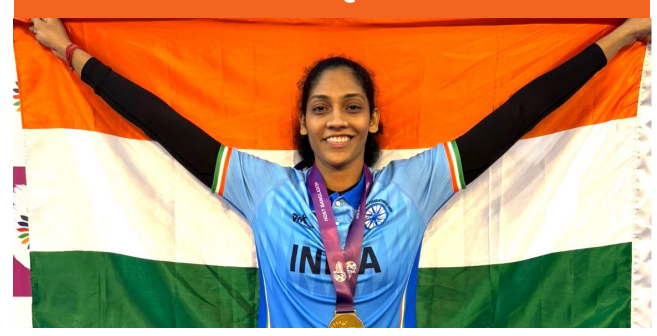

पश्चिम रेलवे ने सोनाली शिंगटे के समर्पण और उपलब्धि पर गहरा गर्व जताया है। उनका यह योगदान न केवल भारतीय महिला कबड्डी टीम के लिए गौरवपूर्ण है बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे परिवार के लिए भी सम्मान की बात है। पश्चिम रेलवे ने भारतीय महिला कबड्डी टीम और सोनाली शिंगटे को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनका प्रेरणादायक प्रदर्शन देशभर के युवा खिलाड़ियों और रेलवे एथलीट्स को प्रोत्साहित करता है।

एंड्रॉयड पर भी शुरू हुई दिव्यांगों को 25% छूट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई मेट्रो लाइन-3 पर दिव्यांग यात्रियों को मिल रही 25% छूट अब Android प्लेटफ़ॉर्म पर भी उपलब्ध हो गई है। पहले यह सुविधा केवल iOS तक सीमित थी, जिससे यात्रियों में नाराज़गी थी। MMRC के अनुसार यह छूट MetroConnect-3 ऐप के ज़रिए सक्रिय होगी और अभी सिर्फ़ मासिक ट्रिप पास पर ही लागू है।

एकल टिकट पर भी छूट की मांग तेज

सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार दीपक कैतके ने कहा कि कई दिव्यांग रोज़ाना यात्रा नहीं करते, इसलिए "एकल टिकट पर भी छूट" दी जानी चाहिए। उन्होंने मेट्रो स्टेशनों पर बंद लिफ्ट, ब्रेल साइनेज और व्हीलचेयर रैंप की कमी जैसे दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं पर सवाल उठाए।

100% मुफ्त यात्रा की भी मांग

इसी बीच केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने मुख्यमंत्री से दिव्यांगों के लिए मेट्रो यात्रा पूरी तरह नि:शुल्क करने की मांग की है। विभिन्न दिव्यांग संगठन भी चाहते हैं कि छूट को केवल ऐप तक सीमित न रखते हुए कार्ड टिकटों पर भी लागू किया जाए।

भाजपा उल्हासनगर जिला कार्यकारिणी की नई नियुक्तियों की घोषणा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर में भाजपा जिला कार्यकारिणी का औपचारिक ऐलान किया गया, जिसमें कई महत्वपूर्ण पदों पर नई नियुक्तियाँ की गईं। यह घोषणा जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया, विधायक कुमार आयलानी, विधायक सुलभा गणपत गायकवाड़, चुनाव अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी और वरिष्ठ नेता नरेंद्र राजानी की उपस्थिति में हुई। नई कार्यकारिणी में चार महासचिव, आठ उपाध्यक्ष, आठ सचिव और विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष शामिल किए गए हैं।

नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र, आगामी चुनावों में मजबूती की उम्मीद

घोषित टीम में महिला मोर्चा अध्यक्ष मंगला चंदा, युवा मोर्चा अध्यक्ष गुरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष विशाल कंडारे, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष लीलाधर भावसार, उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष राकेश पाठक, सोशल मीडिया प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुजीत उपाध्याय और आईटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अर्जुन भाटिया को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की बड़ी उपस्थिति रही। उम्मीद जताई गई कि नई कार्यकारिणी संगठन को मजबूत करेगी और आने वाले चुनावों में पार्टी की स्थिति को और सुदृढ़ बनाएगी।

अगर आप भी किसी बात से हैं परेशान तो 14416 पर करें कॉल

टेलीमैनस हेल्पलाइन में मिलेगा फ्री मानसिक स्वास्थ्य का परामर्श

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

आज लोग स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन, रिश्तों की दिक्कतें, एग्जाम प्रेशर और फाइनेंशियल स्ट्रेस जैसी मानसिक चुनौतियों पर खुलकर बात करने लगे हैं, जो एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। ज़िला परिषद, ठाणे के हेल्थ डिपार्टमेंट ने नागरिकों से अपील की है कि मेंटल हेल्थ को गंभीरता से लें और ज़रूरत पड़ने पर समय पर एक्सपर्ट की मदद ज़रूर लें।

मदद लेने में हिचकिचाएँ नहीं

हेल्थ डिपार्टमेंट, ठाणे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप या आपके परिवार का कोई सदस्य स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन या किसी भी तरह की इमोशनल परेशानी महसूस कर रहा है, तो तुरंत 14416 पर संपर्क करें और मुफ्त काउंसलिंग व मार्गदर्शन प्राप्त करें।

'टेली-मानस' हेल्पलाइन 14416—24×7 उपलब्ध

केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई टेली-मानस टोल फ्री हेल्पलाइन 14416 पर प्रशिक्षित साइकेट्रिस्ट और काउंसलर 24×7 गाइडेंस देते हैं। डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर पारगे ने नागरिकों से बिना झिझक इस सेवा का उपयोग करने की अपील की है। यह हेल्पलाइन स्ट्रेस, डिप्रेशन, नशे की लत, रिश्तों की दिक्कतें, बच्चों की मानसिक समस्याएं, एग्जाम स्ट्रेस से लेकर इमरजेंसी इमोशनल कंसर्न तक सभी में मदद करती है।

शुरुआती लक्षण पहचानना ज़रूरी

ज़िला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि तेज़-तर्रार जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। उन्होंने बताया कि शुरुआती लक्षण पहचानकर तुरंत मदद लेने से डिप्रेशन, डर, स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी स्थितियों को समय रहते कंट्रोल करना संभव है। मेंटल हेल्थ किसी व्यक्ति की कुल सेहत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृष भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कर्क परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

कन्या विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं। लापरवाही न करें।

वृश्चिक उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। शरीर साथ नहीं देगा।

धनु कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

कुंभ किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोमांस के मामले में समय खुशनुमा रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

समृद्धि के छुपे हुए द्वार और घर की अदृश्य उर्जाओं की दिव्य यात्रा

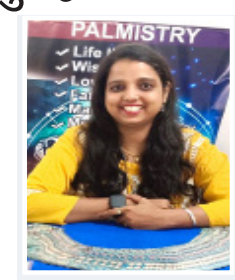

प्रियंका जैन
9769994439

समृद्धि मनुष्य के जीवन में केवल धन के रूप में नहीं आती, वह घर की दीवारों के भीतर बसने वाली उस अदृश्य शक्ति का रूप है जो कभी घर को उल्लास से भर देती है और कभी अचानक सब कुछ ठहर जाता है। प्राचीन भारत में जब ऋषि-मुनि किसी गृह में प्रवेश करते थे, तो वे केवल बाहरी साफ-सफाई नहीं देखते थे, बल्कि उस घर में बहने वाली ऊर्जा की दिशा, उसके कंपन, उसकी शुद्धता और उसमें बसे लोगों की मनोवृत्ति की परतों को भी पढ़ लेते थे। उन्हें पता था कि समृद्धि का एक सूक्ष्म विज्ञान है, जो दृश्य और अदृश्य दोनों को मिलाकर चलता है। समय बीतता गया, युग बदलते गए, परन्तु यह विज्ञान आज भी उतना ही सत्य है जितना सदियों पहले था। यही कारण है कि विभिन्न दिशाओं में विशेष वस्तुओं का स्थान, विशेष अनुष्ठान, विशेष तत्वों का प्रयोग—ये सब मिलकर उस ऊर्जा को जगाते हैं जिसे आज हम "घर की समृद्धि" कहते हैं। वायव्य कोण यानी उत्तर-पश्चिम की दिशा को ऋषियों ने सदैव गतिशील ऊर्जा का प्रतीक माना है। यह वायु तत्व का स्थान है—जहाँ हवाएँ निकलती भी हैं और प्रवेश भी करती हैं। घर की आर्थिक स्थिति और लेन-देन की धाराएँ इसी दिशा से प्रभावित होती हैं। इसलिए जब इस दिशा में एक मिट्टी का बर्तन रखा जाता है—जिसमें सोने और चाँदी के सिक्के लाल कपड़े में बांधकर गेहूँ या चावल के भीतर छुपाए जाते हैं—तो वह केवल वस्तुओं का संयोजन नहीं होता, बल्कि वह घर की आर्थिक नाड़ी को स्थिर करने का गूढ़ संकेत होता है। लाल कपड़ा मंगल का प्रतीक बनकर उस धन-ऊर्जा को स्थिर करता है, और अनाज अन्नपूर्णा के आशीर्वाद की तरह घर में बरकत और निरंतरता बनाए रखता है। इस साधारण से दिखने वाले उपाय में इतनी शक्ति है कि धीरे-धीरे घर की आर्थिक रुकावटें गलने लगती हैं और धन का प्रवाह सहज होकर घर में ठहरने लगता है।

जब कोई मनुष्य पीपल के वृक्ष की छाया में खड़ा होता है, तो वह केवल एक पेड़ के नीचे नहीं खड़ा होता—बल्कि वह उन हजारों वर्षों की चेतना के नीचे खड़ा होता है जो पीपल के भीतर धड़कती है। पीपल प्राणवायु का केंद्र है, देवताओं का निवास माना जाता है। जब लोहे के बर्तन में जल, दूध, घी और चीनी मिलाकर उसकी जड़ में चढ़ाया जाता है, तो यह पाँच तत्वों का मिश्रण घर की नकारात्मक ऊर्जा को शांत करने लगता है। लोहे का पात्र शनि का प्रतीक है—एक स्थिर और अचल शक्ति। जब घर की ऊर्जा अस्थिर हो जाती है, परिवार के सदस्य मानसिक रूप से असंतुलित महसूस करते हैं, रिश्तों में तनाव आता है, या अचानक खर्च बढ़ जाते हैं—तब यह उपाय एक ढाल बनकर घर को स्थिरता प्रदान करता है। पीपल की वह जड़ जहां यह मिश्रण ढाला जाता है, वह घर के सुख की जड़ बन जाती है, और समृद्धि का एक धीमा परन्तु स्थायी प्रवाह शुरू हो जाता है।

(क्रमशः)

न्यूज़ ब्रीफ

ड्रेस कोड और आईडी से होगी वैध पुरोहितों की पहचान

मीरजापुर। श्री विंध्य पंडा समाज की बैठक में मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। सोमवार देर शाम मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर स्थित कार्यालय में अध्यक्ष पंकज द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पारीवालों और कार्यकारिणी सदस्यों ने व्यापक रूप से चर्चा की। बैठक में अवैध रूप से कार्य कर रहे पुरोहितों पर रोक लगाने और उनकी हिस्सेदारी समाप्त करने पर सहमति बनी, ताकि श्रद्धालुओं को बिना बाधा सुचारू दर्शन-पूजन की सुविधा मिल सके। पुरोहितों की ड्यूटी रोटेशन प्रणाली को व्यवस्थित करने का भी निर्णय लिया गया। धाम परिसर में भिक्षावृत्ति बढ़ने से उत्पन्न समस्याओं पर चिंता जताते हुए इसे रोकने के लिए कठोर कदम उठाने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही पुरोहितों के लिए ड्रेस कोड और अनिवार्य आईडी कार्ड लागू करने पर भी सहमति बनी, जिससे उनकी पह चान स्पष्ट रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में यह भी तय किया गया कि मंदिर आने वाले वीवीआईपी श्रद्धालुओं का स्वागत मंत्रोच्चार और शिष्टाचार के साथ किया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुरोहितों को निर्देश दिए गए कि कॉरिडोर परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु दिखने पर तत्काल पंडा समाज या प्रशासन को सूचना दें।

हाईवे पर डीजल चुराने वाला गिरोह गिरफ्तार

सीतापुर। हाईवे पर खड़े ट्रकों से डीजल चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतरजनपदीय गिरोह को सीतापुर पुलिस ने बेनकाब कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लगभग 1200 लीटर डीजल, दो डीसीएम वाहन, तीन अवैध तमंचे, कारतूस, डीजल चोरी के उपकरण और कई फर्जी नंबर प्लेटें बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह और सीओ सिधौली कपूर कुमार के नेतृत्व में कमलापुर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के अनुसार, यही गैंग 23 नवंबर को कमलापुर क्षेत्र स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक से करीब 200 लीटर डीजल चोरी कर फरार हुआ था।

चंद्रशेखर आजाद सेतु पर सड़क हादसा, दो की मौत

प्रयागराज। फाफामऊ स्थित शहीद चंद्रशेखर आज़ाद पुल पर सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस उपायुक्त नगर कुलदीप सिंह गुनावत के अनुसार, मृतकों की पहचान सादियाबाद बड़ा बघाड़ा, कर्नलगंज निवासी शनि कुमार (23) और पुरानी झूंसी कोहना, झूंसी निवासी राहुल कुमार (24) के रूप में हुई है। दोनों सोमवार रात किसी कार्य से मोटरसाइकिल पर निकले थे और लौटते समय फाफामऊ पुल के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की।

'गुलामी की मानसिकता को त्याग सांस्कृतिक विरासत पर करें गर्व'

एजेंसी | अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर पर पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच धर्मध्वजा फहराई। शुभ मुहूर्त में सम्पन्न हुए इस अनुष्ठान के दौरान पूरा परिसर 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अनेक ध्वजारोहण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार, प्रभु श्रीराम के आदर्शों—समानता, सेवा और न्याय—को आधार बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गुलामी की मानसिकता को त्याग कर अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करें और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान दें।

राम कुल नहीं, व्यक्ति के गुण देखते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान राम के आदर्श चरित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि वह कुल या जन्म नहीं, बल्कि व्यक्ति के भाव और कर्म को महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि यही भावना उन्हें निषादराज के साथ मित्रता, शबरी के स्नेह को स्वीकार करने और 'पुरुषोत्तम' बनने की ओर ले जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार भी इसी समभाव की नीति पर चलते हुए बिना भेदभाव विकास कार्य कर रही है।

भारत लोकतंत्र की जननी, पर छिपाया गया

उन्होंने कहा कि भारत में हजारों साल पहले स्थापित लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लेख तमिलनाडु के प्राचीन शिलालेखों में मिलता है, मगर गुलामी के दौर में भारत की पीढ़ियों को ऐसी जानकारियों से वंचित रखा गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना के पुराने ध्वज पर ऐसे प्रतीक अंकित थे जिनका भारतीय सभ्यता से कोई संबंध नहीं था।

देश के हर कोने में रमता है राम

भाषण में उन्होंने ओरछा से लेकर रामेश्वरम और मिथिला से लेकर दंडकारण्य तक राम की उपस्थिति और आस्था का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक चली गुलामी की मानसिकता ने भारतीय समाज को अपनी ही विरासत को नकारने की ओर प्रेरित किया और यहां तक कहा गया कि 'राम काल्पनिक हैं'। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1835 में थॉमस मैकाले की नीतियों ने भारत में मानसिक गुलामी के बीज बोए थे। वर्ष 2035 में इस घटना को 200 वर्ष पूरे होंगे। उन्होंने आग्रह किया कि देश अगले दस वर्षों में इस मानसिकता को पूरी तरह त्यागने की दिशा में संगठित प्रयास करे।

बिहार बनेगा पूर्वी भारत का नया टेक हब

एजेंसी | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में कुल 10 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसमें बिहार को पूर्वी भारत का प्रमुख टेक हब बनाने से लेकर नई टाउनशिपों के विकास तक कई बड़े निर्णय शामिल हैं।

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को हरी झंडी

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रस्तावित 'बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी। इस मिशन के तहत सरकारी सेवाओं में एआई का उपयोग बढ़ाने, स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप सहयोग और टेक्नोलॉजी आधारित नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रस्ताव के अनुसार राज्य में 11 नए सैटेलाइट टाउनशिप या ग्रीनफील्ड टाउनशिप विकसित करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने इसके लिए सैद्धांतिक सहमति देते हुए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

बिहार को टेक हब बनाने की योजना स्वीकृत

बैठक में उद्योग विभाग के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए राज्य सरकार ने बिहार को पूर्वी भारत का प्रमुख टेक हब बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने और इसके अनुश्रवण के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया। योजना के तहत डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी जैसे बड़े प्रोजेक्ट राज्य में स्थापित किए जाएंगे।

'ग्लोबल बैक-एंड हब' बनाने की दिशा में पहल

उद्योग विभाग के एक अन्य प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली, जिसके तहत बिहार को अगले पाँच वर्षों में 'ग्लोबल बैक-एंड हब' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एक शीर्ष समिति कार्ययोजना और प्रगति की समीक्षा करेगी। इस पहल से आईटी, बीपीओ, केपीओ और डेटा प्रोसेसिंग जैसे सेक्टरों में रोजगार के नए अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

स्टार्टअप के साथ उद्यमिता को बढ़ावा

गंजबासौदा आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का रोड शो के दौरान स्थानीय नागरिकों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जन समर्थन और स्नेह के लिए नागरिकों का धन्यवाद दिया।कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री लखन पटेल, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

जौनपुर में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या

एजेंसी | जौनपुर

सिकरारा थाना क्षेत्र में मंगलवार को झाड़ियों से मिले शव की पहचान मछलीशहर निवासी 29 वर्षीय रमाकांत यादव के रूप में हुई। मृतक को गोली मारकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने शव बरामद होने के दो घंटे के भीतर मुख्य आरोपित अशोक यादव को गिरफ्तार कर लिया। रमाकांत यादव मुंबई में ड्राइवर का काम करते थे और 18 नवंबर को कामायनी एक्सप्रेस से घर लौट रहे थे। लेकिन वह घर नहीं पहुंचे, जिसके बाद परिजनों ने 20 नवंबर को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार, शव बरगुदर पुराने पुल के पास झाड़ियों में मिला, जिसमें मृतक के बाएं कान के पास गोली लगने का निशान था। पूछताछ में आरोपित अशोक यादव ने कबूल किया कि पूर्व विवाद और पैसों के लेनदेन को लेकर उसने रमाकांत को समाधगंज के पास गोली मारकर हत्या कर दी और शव को जंगल में छिपा दिया। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर अशोक को हिरासत में लिया गया था। शव मिलने के बाद उसने अपराध स्वीकार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल हथियार और अन्य सामान बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं था।

प्रयागराज में इनामिया बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी | प्रयागराज

प्रयागराज पुलिस ने सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के ईनामी बदमाश मोनू पाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मोनू पाल फतेहपुर जिले के खखरेरु थाना क्षेत्र के मौउद्दीन का पूरा गांव का निवासी है। उसके खिलाफ लूट और छिनैती सहित 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मोनू के कब्जे से चोरी के 24 मोबाइल फोन, बिना नंबर वाली स्कूटी, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो खोखे बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ थरवई थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रूटीन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़

घटना उस समय हुई जब थरवई पुलिस टीम सिंगरामऊ पुलिया अंडरपास के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। बिना नंबर की स्कूटी पर संदिग्ध व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने भागने की कोशिश की और पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में वह घायल होकर गिर पड़ा और पकड़ा गया। आरोपी को मेडिकल उपचार के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

पिता-पत्नी की हत्या कर खुद को गोली से उड़ाया

एजेंसी | डेहरी-ऑन-सोन

रोहतास जिले के भानस थाना क्षेत्र के डिहरा गांव में सोमवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां निवासी अमित सिंह (30) ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और पिता को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार ली। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि घटना रात करीब 12:30 बजे हुई। सबसे पहले अमित ने अपनी पत्नी नीतू देवी को गोली मार दी, जिसके बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के अन्य सदस्य घबराकर कमरे में बंद हो गए। इस दौरान आंगन में पहुंचे अमित को रोकने की कोशिश कर रहे उसके पिता शालिग्राम सिंह को भी उसने गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, मृतक के बड़े भाई ने बताया कि अमित पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्थिर था। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक तनाव की आशंका व्यक्त की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही बिक्रमगंज एसडीपीओ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक प्रमाण एकत्र कर लिए हैं और मामला आगे जांच में है।

व्यापार जगत

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एचपीसीएल हरित अनुसंधान केंद्र का किया दौरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बेंगलुरु स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम हरित अनुसंधान एवं विकास केंद्र (HPGRDC) का दौरा किया, जहां एचपीसीएल के शीर्ष नेतृत्व ने उनका स्वागत किया। मंत्री ने 150 से अधिक वैज्ञानिकों, जिनमें 37% महिला नेतृत्व शामिल है, द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की प्रशंसा की और इसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्वच्छ ऊर्जा, फ्लेक्स-फ्यूल और बैटरी तकनीक में प्रगति

दौरे के दौरान मंत्री ने अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल देते हुए एचपीसीएल को उभरते ऊर्जा क्षेत्रों में व्यावसायिक अवसरों की खोज के लिए प्रोत्साहित किया। एचपीसीएल की इंजन प्रयोगशाला में दोपहिया वाहनों के लिए फ्लेक्स-फ्यूल रेट्रोफिट किट का प्रदर्शन किया गया, जो उच्च इथेनॉल मिश्रणों के लक्ष्य को समर्थन देता है। वहीं, एचपीजीआरडीसी की अत्याधुनिक बैटरी अनुसंधान सुविधा ने लिथियम-आयन, सोडियम-आयन और वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरियों पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें 1 kW लिथियम-आयन पैक का सफल विकास भी शामिल है। केंद्र ने स्वदेशी अल्कलाइन और AEM इलेक्ट्रोलाइजर्स पर 1 मेगावॉट-समतुल्य शॉर्ट-स्टैक प्रमाणन हासिल कर लागत-प्रभावी हरित हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में बड़ी उपलब्धि दर्ज की है।

हाइड्रोथर्मल लिक्विफैक्शन पायलट प्लांट का उद्घाटन

अपने दौरे के दौरान मंत्री ने हाइड्रोथर्मल लिक्विफैक्शन (HTL) पायलट प्लांट का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा समुद्री शैवाल को बायो-क्रूड और मूल्यवान जैव-उत्पादों में परिवर्तित करती है, जो टिकाऊ जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति मानी जा रही है। मंत्री ने कहा कि यह पहल स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर ऊर्जा नवाचार की दिशा में एचपीसीएल की भूमिका को और प्रभावशाली बनाती है।

52 हफ्तों के उच्च स्तर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर

एजेंसी | नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयर ने मंगलवार को बाजार में मजबूत बढ़त दर्ज करते हुए 52 सप्ताह का नया उच्च स्तर छू लिया। कंपनी का शेयर 1.5% से अधिक उछलकर 1,560 रुपये पर पहुंचा, जिससे निवेशकों में उत्साह लौट आया है। सोमवार को आरआईएल का शेयर 1,535.75 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ 1,535 रुपये पर खुलने के बाद इसमें तेजी देखने को मिली और कुछ ही देर में यह 52 हफ्ते के उच्च स्तर 1,560 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि दोपहर बाद इसमें मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया और 1:30 बजे यह 1,549.35 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो 0.89% की बढ़त दर्शाता है।

बेहतरीन बदलावों से बढ़ा मुनाफा

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी कई सकारात्मक कारकों के साथ जुड़ी है। इनमें रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार, जियो की टैरिफ वृद्धि का लाभ, रिटेल सेगमेंट में मजबूत विस्तार और कंपनी के भीतर मौजूद वैल्यू को अनलॉक करने की संभावनाएं शामिल हैं। इन सभी कारकों ने कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन को मजबूती दी है, जिसका सीधा असर शेयर कीमत पर दिखाई दे रहा है। रिलायंस का शेयर इस कैलेंडर वर्ष में अब तक 25% से अधिक चढ़ चुका है, जबकि पिछले छह महीनों में इसने 8% का रिटर्न दिया है। बीते सप्ताह रिलायंस के मार्केट कैप में 36,673 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

वित्त मंत्रालय की चेतावनीः खत्म होने वाली है UPS की मियाद

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार के योग्य एनपीएस कर्मचारियों और पूर्व में सेवानिवृत्त हो चुके कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यूपीएस में स्विच करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर है। पहले यह सीमा 30 सितंबर थी, जिसे दो महीने बढ़ाकर अब अंतिम मौका दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार जिन कर्मचारियों को पुरानी एनपीएस छोड़कर यूपीएस में आना है, उनके पास अब केवल कुछ दिन शेष हैं। निर्धारित तिथि तक विकल्प न चुनने की स्थिति में कर्मचारी स्वतः एनपीएस में ही बने रहेंगे। सभी आवेदन नोडल कार्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निपटाएंगे। यूनिफाइड पेंशन स्कीम के तहत कर्मचारियों को स्विच ऑप्शन, टैक्स में राहत, इस्तीफा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति की स्थिति में बेहतर लाभ सहित कई सुविधाएँ मिलती हैं।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव जारी रहा। विदेशी कोषों की लगातार निकासी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच शुरुआती गिरावट के बाद बाजार ने हल्की रिकवरी दर्ज की। बीएसई सेंसेक्स 65.45 अंकों (0.077%) की बढ़त के साथ 84,966.16 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह एनएसई निफ्टी भी 22.45 अंक (0.086%) चढ़कर 25,981.95 के स्तर पर पहुंच गया। सुबह के कारोबार में सेंसेक्स 124.95 अंक टूटकर 84,775.76 तक गिर गया था। निफ्टी भी 35.35 अंक फिसलकर 25,924.15 पर खुला था। हालांकि बाद में चुनिंदा शेयरों में खरीदारी लौटने से सूचकांकों ने नुकसान की भरपाई की। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बाजार दबाव में रहा था। सेंसेक्स 331.21 अंक (0.39%) टूटकर 84,900.71 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 108.65 अंक (0.42%) की गिरावट के साथ 25,959.50 पर बंद हुआ था।

जन-विश्वास विधेयक से छोटे व्यापारियों को बड़ा फायदाः पीयूष गोयल

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि जन-विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक के तीसरे संस्करण से छोटे कारोबारियों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मंत्रालय छोटे-छोटे कारोबारी अपराधों को अपराध-मुक्त करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है, जिससे व्यापार वातावरण और अधिक सरल बन सके। एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री गोयल ने कहा कि अब तक करीब 275 से 300 ऐसे प्रावधान चिह्नित किए जा चुके हैं, जिन्हें अपराध-मुक्त किया जा सकता है।

स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील

सम्मेलन में गुरु तेग बहादुर के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश को एकता और प्रगति का मार्ग दिखाते हैं। गोयल ने बताया कि केंद्र सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने के साथ ही श्रमिकों के हितों को सुरक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। श्रम संहिता लागू होने से न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और गिग वर्कर्स को संरक्षण जैसे प्रावधान सुनिश्चित होंगे। यह बदलाव उद्योगों और व्यापार को सुगमता की नई दिशा देगा। केंद्रीय मंत्री ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और बिक्री को बढ़ावा देने की भी अपील की।

T 20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल का ऐलान

- 7 फरवरी से होगा आगाज
- 8 मार्च को होगा फाइनल
- 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान

एजेंसी । दुबई

अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित हो गया है। 20 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से होगी।

दिग्गजों की उपस्थिति में जारी हुआ कार्यक्रम

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का कार्यक्रम दिग्गजों की उपस्थिति में जारी किया गया। इस कार्यक्रम में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, 2024 में अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप दिलाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, मौजूदा भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास, सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला शामिल रहे।

आठ स्थलों पर होंगे मैच

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने बताया कि टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबला भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा।

किस ग्रुप में कौन

ग्रुप ए- भारत, पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया, नेदरलैंड्स.
ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान.
ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल.
ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा.

पहली बार इटली लेगा हिस्सा

पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश, इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं।

अजलान शाह कप 2025

कांटे की टक्कर में भारत बेल्जियम से हारा

इपोह (मलेशिया)। बारिश से प्रभावित और रोमांच से भरपूर मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के मैच में बेल्जियम के हाथों 2-3 की संकरी हार झेलनी पड़ी। मंगलवार को पुनर्निर्धारित इस मुकाबले में भारत ने दमदार खेल दिखाया, लेकिन निर्णायक क्षणों में बेल्जियम की बढ़त कायम रही। भारत की ओर से अभिषेक ने 33वें मिनट में और शिलानंद लाकड़ा ने 57वें मिनट में गोल दागे। वहीं बेल्जियम के लिए रोमन ड्यूवेकॉट ने दो बार (17', 57') और निकोलस डी केरपेल ने 45वें मिनट में गोल कर टीम को जीत दिलाई।

पहले क्वार्टर में अच्छी रही शुरुआत

पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और गोलकीपर पवन ने दो अहम बचाव करते हुए बेल्जियम को शुरुआती बढ़त नहीं लेने दी। शुरुआती 10 मिनट में बेल्जियम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारत ने दोनों प्रयास विफल कर मैच को 0-0 की स्थिति में रखा।

हाफ टाइम तक बेल्जियम की बढ़त

दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी और 17वें मिनट में रोमन ड्यूवेकॉट ने बेल्जियम के लिए पहला गोल दागा। भारत ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की और दिलप्रीत सिंह ने गेंद को नेट में पहुंचाया, लेकिन इसे खतरनाक खेल के कारण रद्द कर दिया गया। हाफ टाइम तक बेल्जियम 1-0 की बढ़त बनाए रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने आक्रामक रुख अपनाया और 33वें मिनट में अभिषेक ने बराबरी का गोल दाग दिया।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक : बेनेडेक सबसे उम्रदराज स्वर्ण पदक विजेता

बुडापेस्ट। हंगरी के दिग्गज आधुनिक पेंटाथलॉन खिलाड़ी गाबोर बेनेडेक अब दुनिया के सबसे उम्रदराज़ जीवित ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए हैं। हंगेरियन समाचार एजेंसी एमटीआई के अनुसार, यह दर्जा उन्हें पूर्व सोवियत संघ के फुटबॉल खिलाड़ी निकीता सिमोनयान के 99 वर्ष की आयु में निधन के बाद प्राप्त हुआ है। आर्मेनियाई मूल के निकीता सिमोनयान ने 1956 मेलबर्न ओलंपिक में सोवियत फुटबॉल टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसी वर्ष 12 अक्टूबर को अपना 99वां जन्मदिन मनाया था। उनके निधन के बाद 98 वर्षीय बेनेडेक इस श्रेणी में सबसे उम्रदराज़ जीवित ओलंपिक चैम्पियन बन गए हैं। 23 मार्च 1927 को तिसाफ्यूरेड में जन्मे गाबोर बेनेडेक ने हेलसिंकी ओलंपिक 1952 में टीम इवेंट में स्वर्ण और व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया था। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीते। खेल करियर के बाद वे 1970 से जर्मनी के बॉन के पास रह रहे हैं। सर्वकालिक रिकॉर्ड हंगरी की एग्नेस केलेटी के नाम ध्यान देने योग्य है कि हंगरी की पांच बार की ओलंपिक जिम्नास्टिक्स चैंपियन एग्नेस केलेटी—जिनका इस वर्ष 2 जनवरी को 104वें जन्मदिन से ठीक पहले निधन हुआ — अब भी इतिहास की सबसे अधिक आयु वाली ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बनी हुई हैं।

फुटबाल के लिए विकासशील देशों को मिलेंगे एक अरब डालर

जिनेवा। फुटबॉल अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में फीफा और सऊदी फंड फॉर डेवलपमेंट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस करार के तहत विकासशील देशों और क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फीफा के अनुसार, इस फंड का उपयोग मुख्य रूप से स्टेडियमों के निर्माण व सुधार और उनसे जुड़ी आवश्यक सुविधाओं के उन्नयन पर किया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह पहल उन क्षेत्रों को प्राथमिकता देगी जहाँ फुटबॉल के विस्तार और प्रतिभा विकास की संभावनाएँ अधिक हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण प्रगति धीमी है।
फीफा द्वारा जारी बयान में कहा गया है, "इस कार्यक्रम का उद्देश्य विकासशील देशों और उनके फीफा सदस्य संघों को ऐसे ढांचे में निवेश करने में सहायता देना है, जो खेल के विकास को गति दे, नए अवसर उत्पन्न करे और हर स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा दे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने समझौते को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा, "यह एमओयू हमारे सदस्य संघों के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में अहम कदम है। यह कदम फुटबॉल को वास्तव में वैश्विक बनाने और हर महाद्वीप पर खिलाड़ियों को समान अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

फीफा अंडर-17 विश्व कप

पहली बार फाइनल में पुर्तगाल

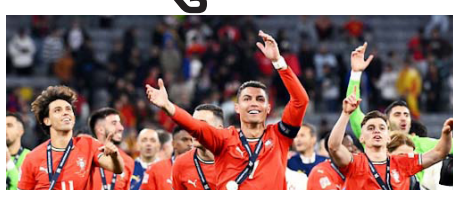

दोहा। फीफा अंडर-17 विश्व कप इस बार नए चैंपियन का स्वागत करने जा रहा है। सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रिया ने अपने बेहतरीन फॉर्म को जारी रखते हुए इटली पर 2-0 की निर्णायक जीत दर्ज की। टीम के स्टार स्ट्राइकर और टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर जोहान्स मोज़र ने दोनों गोल दागकर मुकाबले का नतीजा तय किया। उन्होंने 57वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि इंजरी टाइम में फ्री-किक पर दूसरा गोल दागते हुए ऑस्ट्रिया को ऐतिहासिक फाइनल में पहुंचा दिया।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के करीब भारत

ग्लासगो में आयोजित असेंबली में आज हो सकती है औपचारिक घोषणा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी हासिल करने की दहलीज पर है। ग्लासगो में 26 नवंबर को होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में भारतीय बोली को औपचारिक मंजूरी मिलने की प्रबल संभावना है। अनुमोदन मिलते ही भारत दूसरी बार इस बहु-खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इससे पहले देश ने 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया था।

अहमदाबाद बनेगा मुख्य मेजबान शहर

इस बार 2030 का संस्करण अहमदाबाद में आयोजित होने की योजना है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड पहले ही भारतीय प्रस्ताव के पक्ष में अपनी सिफारिश दे चुका है। मूल्यांकन समिति ने तकनीकी तैयारी, खेल अवसंरचना, खिलाड़ियों के अनुभव, सुशासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूपता जैसे मापदंडों पर भारत की तैयारियों को संतोषजनक पाया है।

असेंबली में प्रस्तुत होगी भारत की 'विजन डॉक्यूमेंट'

ग्लासगो में होने वाली असेंबली में भारत की ओर से अहमदाबाद में आयोजित होने वाले खेलों की विजन प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद सदस्य देशों द्वारा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के मेजबान पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। निर्णय के तुरंत बाद एक विशेष प्रसारण के जरिए औपचारिक घोषणा की जाएगी। भारतीय समयानुसार शाम लगभग 6:30 बजे इसकी पुष्टि होने की संभावना है।

2034 के लिए नाइजीरिया पर विचार

2030 की मेजबानी की दौड़ में भारत का मुकाबला नाइजीरिया के अबुजा शहर से था। हालांकि संगठन ने नाइजीरिया की मेजबानी क्षमता को दीर्घकालिक समर्थन देने के उद्देश्य से उसे 2034 संस्करण के लिए विचार करने का निर्णय लिया है।

अहमदाबाद में लगातार आयोजन बढ़ा रहे भरोसा

हाल के महीनों में अहमदाबाद ने कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं का सफल आयोजन किया है, जिनमें कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 क्वालिफायर शामिल हैं। अगले वर्ष यहां एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और एशिया पैरा-आर्चरी कप भी आयोजित होने वाले हैं, जिससे मेजबानी की दावेदारी और मजबूत हुई है।

बॉलीवुड

53वां अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कार

एना मैक्सवेल मार्टिन बनीं बेस्ट एक्ट्रेस

ओरिओल प्ला बेस्ट एक्टर

एमी अवॉर्ड्स 2025 के लिए दिलजीत दोसांझ को फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए बेस्ट एक्टर कैटेगरी में नामांकन मिला था। वहीं, इस फिल्म को बेस्ट टीवी मिनी मूवी/मिनी सीरीज कैटिगरी में नॉमिनेट किया गया था। मगर, दोनों ही श्रेणियों में 'अमर सिंह चमकीला' की झोली में कोई अवॉर्ड नहीं आया। एमि अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिलजीत दोसांझ की बजाय ओरिओल प्ला को 'आई, एडिक्ट' फिल्म के लिए मिला। अन्य श्रेणियों में किसने मारी बाजी? जानिए -

बेस्ट ड्रामा अवॉर्ड पर 'राइवल्स' का कब्जा

53वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के विजेताओं का एलान कर दिया गया है। इसमें UK ने सात कैटेगरी में सबसे ज्यादा ट्रॉफियां जीती हैं। ITV स्टूडियोज की 1980 के दशक की ड्रामा-कॉमेडी 'राइवल्स' ने बेस्ट ड्रामा अवॉर्ड जीता। इस ब्रिटिश ड्रामा सीरीज में डेविड टेनेंट, एडन टर्नर, कैथरीन पार्किंसन, विक्टोरिया स्मरफिट, एलेक्स हैसेल, नफेसा विलियम्स, बेला मैकलीन, एमिली अटैक और डैनी डायर जैसे एक्टर हैं। यह ब्रिटिश कॉमेडी ड्रामा जिली कूपर की किताबों पर आधारित है।

बेस्ट एक्ट्रेस बनीं एना मैक्सवेल मार्टिन

इसके अलावा, यूके ने 'फॉलन' के लिए बेस्ट किड्स लाइव-एक्शन शो, 'लॉस्ट बॉयज एंड फेयरीज' के लिए बेस्ट टीवी मूवी/मिनी सीरीज, 'हेल जम्पर' के लिए बेस्ट डॉक्यूमेंट्री, 'डिस्पैच: किल जोन: इनसाइड गाजा' के लिए करंट अफेयर्स की ट्रॉफी भी अपने खाते में दर्ज कीं। इसके अलावा, इस देश ने 'अनटिल आई किल यू' में एना मैक्सवेल मार्टिन की परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट परफॉर्मेंस बाय एन एक्ट्रेस की ट्रॉफी भी जीती।

अन्य अवाड्र्स

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में 'आई, एडिक्ट' के ओरिओल प्ला को बेस्ट एक्टर घोषित किया गया, जबकि अन्य श्रेणियों में ब्लूई (बेस्ट किड्स-एनिमेशन), हेल जम्पर (डॉक्यूमेंट्री), द गुड एंड द बैड (टेलीनोवेला), रयूइची साकामोटो: लास्ट डेज (आर्ट्स प्रोग्रामिंग), ला मेडिएट्रिस (बेस्ट शॉर्ट-फॉर्म सीरीज), डिस्पैचेस: किल ज़ोन—इनसाइड गाजा (करंट अफेयर्स), इट्स ऑल ओवर: द किस दैट चेंज्ड द स्पैनिश फुटबॉल (स्पोर्ट्स डॉक्यूमेंट्री), गाजा—सर्च फॉर लाइफ (न्यूज़) और शाओलिन इन हीरोज: डेनमार्क (नॉन-स्क्रिप्टेड एंटरटेनमेंट) को अवॉर्ड मिले।

इंटरनेशनल एमी कॉमेडी का अवॉर्ड 'लुडविग' के नाम

दूसरी तरफ, बेस्ट कॉमेडी का अवॉर्ड डेविड मिशेल स्टारर 'लुडविग' को मिला। यह एक पजल मास्टर (मिशेल) की कहानी है, जो अपने लापता भाई, जो एक पुलिस डिटेक्टिव है के गायब होने के केस की जांच करने का नाटक करता है। एना मैक्सवेल मार्टिन भी 'लुडविग' का हिस्सा हैं।

सेलिना जेटली ने पति पर लगाया घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली मुंबई की एक अदालत पहुंची हैं। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उन्हें उनके पति पीटर हाग से इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज का सामना करना पड़ा है। सेलिना जेटली की अर्जी मंगलवार को अदालत में सुनवाई के लिए सामने आई। अदालत ने पीटर हाग को नोटिस जारी किया। इस मामले की सुनवाई 12 दिसंबर के लिए तय की। जेटली ने एक लॉ फर्म के जरिए याचिका दाखिल की। उन्होंने अपनी याचिका में पीटर हाग पर डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के प्रावधान के तहत घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप लगाया। सेलिना जेटली की वकील, एडवोकेट निहारिका करंजावाला कहती हैं, 'हां, हमने डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के तहत क्रूरता और घरेलू हिंसा, शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह की हिंसा के लिए शिकायत दर्ज की है। हमने अंधेरी कोर्ट में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास के सामने शिकायत दर्ज की है। जज ने मिस्टर हाग को 12 दिसंबर को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया है।'

हिंसा की वजह से घर छोड़ना पड़ा

47 साल की एक्ट्रेस सेलिना ने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर से प्रताड़ित किया। इसकी वजह से उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत वापस आना पड़ा। पूर्व मिस इंडिया ने याचिका में आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति ने उन्हें काम करने से रोक दिया। इस कपल ने सितंबर 2010 में शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। याचिका में कहा गया, 'पीटर हाग अपने आप में रहने वाले इंसान हैं। वह गुस्सैल स्वभाव के हैं और उन्हें शराब पीने की आदत है। इससे सेलिना जेटली को तनाव होता रहा है।' याचिका में आगे कहा गया कि हाग ने इस साल अगस्त में ऑस्ट्रिया की एक अदालत में तलाक की अर्जी दी थी।

'भाभीजी घर पर हैं' शो में लौटेंगी पुरानी 'अंगूरी भाभी'

टीवी का चर्चित कॉमेडी शो 'भाभीजी घर पर हैं' कई साल से लोगों का मनोरंजन करता आ रहा है। इन सालों में चेहरे तो कई बदले, लेकिन किरदार आज भी लोगों के पसंदीदा बने हुए हैं। ताजा जानकारी आ रही है कि अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने करीब 10 साल बाद इस शो को पूरी तरह से छोड़ दिया है। खबरें तो काफी समय से आ रही थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ने खुद इन खबरों की पुष्टि कर दी है। शुभांगी ने कहा, 'मैंने हमेशा मिसेज कोहली से वादा किया था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और ठीक वैसे ही खत्म भी होगा। मैं इससे बेहतर विदाई की उम्मीद नहीं कर सकती थी। मैं इसे एक वरदान के रूप में देखती हूँ क्योंकि एक कलाकार के तौर पर, मैं नए किरदार तलाशना चाहती हूं। मेरा विचार यहां से बाहर निकलने और काम की तलाश शुरू करने का है। 2016 में शिल्पा शिंदे के बाहर होने के बाद, शुभांगी 'भाभीजी घर पर हैं' का हिस्सा बनी थीं। तब से वह 'अंगूरी भाभी' के किरदार में दर्शकों का मनोरंजन करती आई हैं।

एल्विश यादव ने अभिनय की दुनिया में रखा कदम

मशहूर यूट्यूबर और 'बिग बॉस OTT 2' के विनर एल्विश यादव अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। 'फर्स्ट कॉपी' में मुनव्वर फारूकी की तरह उनका भी डिजिटल डेब्यू होने जा रहा है। यह जानकारी यूट्यूबर ने आगामी सीरीज 'औकात के बाहर' का टीजर जारी करते हुए अपने प्रशंसकों तक पहुंचाई है। सीरीज में एल्विश का हरियाणवी अवतार देखने को मिला है। इस दमदार टीजर ने उनके प्रशंसकों को अभी से उत्साहित कर दिया है।
एल्विश ने अपनी पहली सीरीज 'औकात के बाहर' का टीजर जारी करते हुए लिखा, 'आंखों में भूख, दिल में आग, ये सफर होगा औकात के बाहर!' उनकी इस सीरीज को MX प्लेयर पर रिलीज किया जाएगा जिसका लुत्फ दर्शक मुफ्त में उठा सकेंगे। हालांकि, निर्माताओं ने सीरीज की तारीख का ऐलान नहीं किया है। टीजर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, 'सिस्टम हैंग कर दिया एल्विश भाई।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप एल्विश हैं!!!! सुपरस्टार।'

हिरासत में मौतें, सिस्टम पर धब्बा : सुप्रीम कोर्ट

- हिरासत में हुई मौतों पर सर्वोच्च न्यायालय का सख्त रुख
- कहा– 'यह व्यवस्था पर बड़ा दाग, देश अब बर्दाश्त नहीं करेगा'
- राजस्थान में आठ माह के दौरान 11 की मौत

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पुलिस हिरासत में बढ़ रही हिंसा और मौतों पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे देश की व्यवस्था पर "बड़ा दाग" करार दिया। अदालत ने साफ कहा कि अब ऐसी घटनाओं को किसी भी हाल में सहन नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे ठीक ढंग से न चलने के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। इसी दौरान अदालत को बताया गया कि राजस्थान में पिछले आठ माह में 11 लोग हिरासत में जान गंवा चुके हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा— "हिरासत में मौतें अस्वीकार्य हैं। यह सिस्टम पर धब्बा है, देश अब इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।" अदालत ने इस बात पर भी कड़ी टिप्पणी की कि केंद्र सरकार ने अभी तक अपना अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया है। कोर्ट ने पूछा— "केंद्र सरकार इस अदालत को हल्के में क्यों ले रही है?" इसके बाद केंद्र ने तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया।

सीसीटीवी कैमरे की स्थापना में सुस्ती

सुप्रीम कोर्ट 2018 और 2020 में ही आदेश दे चुका है कि सभी पुलिस थानों और सीबीआई, ईडी, एनआईए सहित केंद्रीय एजेंसियों के कार्यालयों में फुल-कवरेज सीसीटीवी और रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाए जाएं। लेकिन अदालत को बताया गया कि अब तक सिर्फ 11 राज्यों ने ही अपनी रिपोर्ट दी है, जबकि कई राज्य और केंद्र के कई विभाग अभी भी जानकारी देने में पीछे हैं। तीन केंद्रीय एजेंसियों में कैमरे लगाए जा चुके हैं, लेकिन बाकी में काम धीमा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार की प्रशंसा की। अदालत को बताया गया कि प्रदेश के हर थाने और चौकी को जिला नियंत्रण कक्ष से लाइव जोड़ा गया है। पीठ ने इसे "उत्कृष्ट व्यवस्था" बताया।

अमेरिका का उदाहरण और 'ओपन एयर जेल'

सुनवाई के दौरान अमेरिका के मॉडल का जिक्र हुआ, जहां सीसीटीवी की लाइव स्ट्रीमिंग होती है और निजी जेलें भी संचालित हैं। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि भारत में भी कुछ समय पहले सीएसआर फंड से निजी जेल विकसित करने का सुझाव दिया गया था। इस पर अदालत ने कहा कि वह पहले से ही 'ओपन एयर प्रिजन' मॉडल पर एक याचिका देख रही है, जो जेलों की भीड़ और हिंसा को कम करने का प्रभावी उपाय हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की सभी राज्यों को सख्त चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे तीन हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट हर हाल में जमा करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि देरी हुई तो संबंधित राज्यों के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को अदालत में पेश होना पड़ेगा। यदि केंद्र की किसी एजेंसी ने अनुपालन नहीं किया तो उसके निदेशक को तलब किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। अदालत ने कहा कि तब तक सभी रिपोर्टें दायर हो जानी चाहिए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्या है मामला?

सुप्रीम कोर्ट एक मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है, जो देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी के ठीक से न चलने से जुड़ा है। अदालत ने इस दौरान राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत मौतों पर गहरी चिंता जताई। दो जजों की बेंच न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता ने मामले में कहा, 'देश अब ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं।'

भारत में घुसपैठ कर रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

- कई देशों की मुद्रा, संवेदनशील स्थानों के वीडियो बरामद
- एसएसबी की टीम ने नेपाल सीमा से की गई गिरफ्तारी

एजेंसी । नई दिल्ली

बहराइच। इंडो–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा में सेंध का एक और मामला सामने आया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात एक चीनी नागरिक को संदिग्ध परिस्थितियों में भारतीय सीमा के अंदर घूमते हुए पकड़ा। उसके पास से कई देशों की मुद्रा, तीन मोबाइल फोन और भारतीय क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों के वीडियो बरामद किए गए। एसएसबी की 42वीं वाहिनी के उपनिरीक्षक रत्नेश यादव एवं रुपईडीहा थाना प्रभारी रमेश रावत संयुक्त रूप से गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें भारतीय क्षेत्र में घूमता एक संदिग्ध विदेशी दिखा। पूछताछ में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और बाद में उसने अपनी पहचान ल्यू कुजिंग, निवासी हुनान प्रांत (चीन) बताई। पुलिस उपाधीक्षक (नानपारा) प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि बिना पासपोर्ट और वीजा के भारतीय सीमा में प्रवेश गंभीर मामला है। सुरक्षा एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि कुजिंग का उद्देश्य क्या था और वह किन संपर्कों में था। आगे की पूछताछ जारी है।

वीजा, पासपोर्ट भी नहीं मिला

तलाशी के दौरान कुजिंग के पास चीन, नेपाल और पाकिस्तान की मुद्रा मिली, जबकि पासपोर्ट और वीजा से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाया गया। उसके एक मोबाइल फोन में भारतीय सीमा के अति संवेदनशील इलाकों की वीडियोग्राफी भी मिली, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई।

वीडियो रिकार्डिंग करते समय दबोचा

एसएसबी कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने पुष्टि की कि चीनी नागरिक को उस समय पकड़ा गया, जब वह प्रतिबंधित और संवेदनशील क्षेत्रों की रिकॉर्डिंग कर रहा था। प्रारंभिक जांच के बाद उसे आगे की कार्रवाई के लिए रुपईडीहा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

हर घटना की निगरानी संभव नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश में बढ़ते हेट स्पीच मामलों पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत हर छोटी घटना पर नजर नहीं रख सकती, और ऐसे मामलों में पीड़ितों को संबंधित हाई कोर्ट का रुख करना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह टिप्पणी तब की, जब सीनियर एडवोकेट निजाम पाशा ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते नफरत भरे भाषणों और आर्थिक बहिष्कार की घटनाओं पर चिंता जताई। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हेट स्पीच की घटनाएं किसी एक धर्म तक सीमित नहीं, बल्कि सभी समुदायों के खिलाफ हो रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है, न कि केंद्र की। पाशा द्वारा केंद्र पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाने पर मेहता ने कहा— मैं राज्य नहीं, केंद्र का प्रतिनिधि हूं। लॉ एंड ऑर्डर मेरी जिम्मेदारी नहीं है।

भारत की सख्ती के बाद चीन ने पल्ला झाड़ा, अरुणाचल की महिला के साथ दुर्व्यवहार का खंडन

बीजिंग। चीन ने शंघाई एयरपोर्ट पर अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को परेशान किए जाने के आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया है। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि लंदन से जापान जा रही भारतीय नागरिक पेमो वांगजॉम थोंगडोक के साथ कोई दुर्व्यवहार, हिरासत या दबाव नहीं डाला गया। यह बयान ऐसे समय आया है जब घटना के बाद भारत ने बीजिंग और दिल्ली दोनों जगह चीन को कड़ा विरोधपत्र सौंपा है और साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने आरोपों को खारिज करने के साथ ही यह भी कहा कि थोंगडोक की यात्रा के दौरान चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने सिर्फ कानून और नियमों के अनुसार प्रक्रिया अपनाई।

नारायणपुर में 28 नक्सलियों ने किया सरेंडर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को 28 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले 28 माओवादियों में 22 पर कुल 89 लाख रुपये का इनाम था। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि 19 महिलाओं 28 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। आईजी ने बताया कि माओवादी राज्य सरकार की 'नियाद नेल्लनार' (आपका अच्छा गांव) स्कीम, नई सरेंडर और रिहैबिलिटेशन पॉलिसी और 'पूना मरघम (सोशल रीइंटीग्रेशन के लिए रिहैबिलिटेशन) से प्रभावित होकर सरेंडर किया है।

इथियोपिया में फटा ज्वालामुखी, दिल्ली में थमी हवाई रफ्तार

- दिल्ली एयरपोर्ट पर सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द, कई के रूट बदले गए
- दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और गुजरात तक फैल गई राख

एजेंसी । नई दिल्ली

इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठे राख के गुबार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। मंगलवार दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कम से कम 7 विदेशी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 12 उड़ानों में देरी दर्ज की गई। एयरलाइंस ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने उड़ान संचालन में व्यापक बदलाव किए हैं। ज्वालामुखी विस्फोट की राख भारत के विभिन्न हिस्सों—दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और गुजरात—तक फैलने की आशंका के चलते एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कई विमानों के मार्ग बदल दिए। कई उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि कुछ को रद्द कर एहतियातन जांच की जा रही है। सोमवार से अब तक कुल 11 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

एयर इंडिया ने यात्रा योजनाएं बदलीं

एयर इंडिया ने कहा कि ग्राउंड स्टाफ यात्रियों को लगातार फ्लाइट अपडेट दे रहा है तथा आवश्यकता पड़ने पर होटल आवास सहित अन्य मदद उपलब्ध कराई जा रही है। एयरलाइन ने कहा, "यह स्थिति पूरी तरह हमारे नियंत्रण से बाहर है, फिर भी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए हम वैकल्पिक यात्रा प्रबंध सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं।" एयर इंडिया ने अपनी जिन उड़ानों को रद्द किया है।

अन्य एयरलाइंस भी प्रभावित

अकासा एयर ने 24 और 25 नवंबर को जेद्दाह, कुवैत और अबू धाबी के लिए अपनी सभी उड़ानें रद्द करने का निर्णय लिया है। यात्रियों को पूर्ण रिफंड या सात दिनों के भीतर मुफ्त रीबुकिंग की सुविधा दी जाएगी। इंडिगो ने भी कई मार्गों में बदलाव किए हैं। कन्नूर–अबू धाबी उड़ान (6E 1433) को हवा में राख का घना गुबार मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर डायवर्ट करना पड़ा। हवाई यातायात प्राधिकरण स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है, और परिस्थितियां सामान्य होने तक उड़ानों में अनियमितता जारी रहने की संभावना है।

हमाश के नक्शेकदम पर जैश-ए-मोहम्मद!

- दिल्ली ब्लास्ट के बाद एनआईए की जांच में खुल रहीं परतें

एजेंसी । नई दिल्ली

लालकिले बम धमाके मामले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को कई चौंकाने वाले इनपुट मिले हैं। जांच में सामने आए वीडियो और अन्य साक्ष्य बताते हैं कि आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच गहरा संपर्क था। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि फरवरी में तैयार की गई इस साजिश की परतें अब खुलनी शुरू हो गई हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि जैश-ए-मोहम्मद का व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल हमास की तर्ज पर रणनीति तैयार कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार इस मॉड्यूल का नेटवर्क कश्मीर से लेकर हरियाणा सहित कई राज्यों में फैला हुआ था।

हमास व जैश की बैठक ने बढ़ाई थी चिंता

विशेषज्ञों का कहना है कि जैश द्वारा हमास की रणनीति अपनाया जाना किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार इसी वर्ष 5 फरवरी को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के रावलकोट में एक कार्यक्रम के दौरान पहली बार हमास नेता डॉ. खालिद कदौमी और डॉ. नाजी ज़हीर ने जैश और लश्कर के आतंकियों के साथ मंच साझा किया था। यह बैठक आतंक संगठनों की बढ़ती वैश्विक सांठगांठ का संकेत मानी जा रही है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी में लॉकरों की तलाशी

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से उजागर हुए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के बाद बड़ी संख्या में डॉक्टर और स्टाफ के लापता होने पर एजेंसियां लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। जांच के दौरान विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लॉकर खोले जा रहे हैं। अब तक कई लॉकरों से मोबाइल, टैब और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए हैं, जिनकी साइबर जांच शुरू कर दी गई है। धौज और फतेहपुर तगा में संदिग्ध विस्फोटक मिलने के बाद फरीदाबाद, नूंह और आसपास के क्षेत्रों की दुकानों की भी जांच की जा रही है। पुलिस को पूछताछ में जानकारी मिली है कि अमोनियम नाइट्रेट समेत कई रसायन स्थानीय दुकानों से खरीदे गए थे।

आतंकी मुजम्मिल से करवाई शिनाख्त

- एनआईए ने आतंकी के साथ अल-फलाह यूनिवर्सिटी समेत अन्य ठिकानों का किया भ्रमण

एजेंसी । पलवल

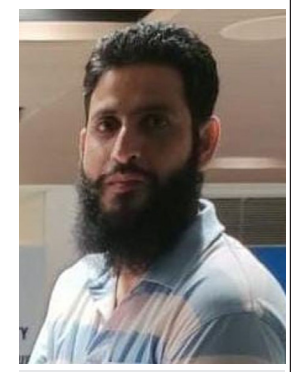

दिल्ली धमाके के मामले में गिरफ्तार आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मंगलवार को फरीदाबाद लेकर आई। टीम ने उसे अल-फलाह यूनिवर्सिटी सहित कई ठिकानों पर ले जाकर करीब चार घंटे तक पूछताछ और मौके की शिनाख्त कराई। सबसे पहले एनआईए ने मुजम्मिल को अल-फलाह यूनिवर्सिटी पहुंचाकर उसके हॉस्टल, मेडिकल केबिन और अध्ययन से जुड़े स्थानों की जांच की। टीम ने परिसर में उसके संपर्कों और गतिविधियों से जुड़े बिंदुओं की भी पड़ताल की।

रची जा रही थी बड़ी साजिश

पूछताछ में मुजम्मिल ने स्वीकार किया कि वह दो बार कार में भरकर यह माल वहां ले गया था और इसे किसी बड़ी साजिश के लिए इकट्ठा किया जा रहा था। एनआईए टीम ने उसे सोहना मंडी भी ले जाकर दो बीज भंडारों की पहचान कराई, जिनसे उसका संपर्क रहा था। सभी स्थानों की तस्दीक के बाद एनआईए टीम आरोपी को वापस दिल्ली ले गई।

'संचार साथी' की मदद से मिले 50000 फोन

- एप्लीकेशन की मदद से अब तक खोजे गए सात लाख से अधिक फोन

एजेंसी । नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग के संचार साथी ऐप ने खोए हुए मोबाइल ढूंढने में नया रिकॉर्ड बनाया है। अक्टूबर महीने में ऐप की मदद से 50 हजार से अधिक मोबाइल फोन बरामद किए गए, जो अब तक की सर्वाधिक मासिक रिकवरी है। कुल मिलाकर इस प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर में 7 लाख से ज्यादा फोन खोजे जा चुके हैं। विभाग के अनुसार, कर्नाटक और तेलंगाना रिकवरी अभियान में सबसे आगे रहे, जहां प्रत्येक राज्य में 1 लाख से अधिक मोबाइल मिल चुके हैं। महाराष्ट्र 80 हजार से अधिक फोनों की बरामदगी के साथ तीसरे स्थान पर है।

तत्काल मिलता है अलर्ट

ऐप में रिपोर्ट किए गए फोन में किसी अन्य सिम के उपयोग की कोशिश होने पर सिस्टम तुरंत संबंधित नागरिक और स्थानीय पुलिस को अलर्ट भेजता है, जिससे चोरी या दुरुपयोग पर रोक लगती है। डीओटी ने बताया कि यह सफलता राज्यों की पुलिस, डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट और फील्ड टीमों के बेहतर तालमेल का परिणाम है। संचार साथी स्वदेशी तकनीक से विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

ज्वालामुखी विस्फोटः चीन की तरफ बढ़ जाएगा 'गुबार'

नई दिल्ली। इथियोपिया के हायली गुब्बी ज्वालामुखी में हुए दुर्लभ विस्फोट का असर भारत तक देखने को मिला है। सोमवार रात ऊपरी वायुमंडल में फैला राख का विशाल गुबार देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में पहुंच गया, जिससे हवाई यातायात भी प्रभावित रहा। करीब 12,000 वर्ष बाद सक्रिय हुए इस ज्वालामुखी की राख दिल्ली सहित गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा के ऊपर से गुजरी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के महानिदेशक एम. महापात्रा के अनुसार, राख का यह गुबार ऊपरी वायुमंडल में मौजूद है और जमीन के स्तर पर इसकी सीधी मार नहीं पड़ेगी। उन्होंने बताया— "राख ऊपरी क्षोभमंडल में है, इसलिए यह हवा की गुणवत्ता को प्रभावित नहीं करेगी। आसमान पर हल्की धुंध जैसा असर दिख सकता है।

तत्काल हटाए जाएं 'पक्षपाती' पुलिस अफसर

- चुनाव से पहले नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने उठाई मांग

एजेंसी । कोलकाता।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर कुछ पुलिस अधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनावों से जुड़े दायित्वों से हटाने की मांग की है। उनका आरोप है कि ये अधिकारी राजनीतिक रूप से पक्षपाती हैं, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। अधिकारी ने दावा किया कि हाल ही में दिघा में पुलिस संघ के एक सम्मेलन में कुछ पुलिसकर्मियों ने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दोबारा सत्ता में लाने की इच्छा जताई, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि कई पुलिसकर्मी सरकार से असंतुष्ट हैं, इसलिए विवादित अधिकारियों को चुनावी ड्यूटी से हटाना आवश्यक है।

डेटा एंट्री ऑपरेटर भर्ती पर भी सवाल

अधिकारी ने वेबेल टेक्नोलॉजी लिमिटेड के माध्यम से होने वाली डेटा एंट्री ऑपरेटरों की भर्ती को लेकर भी शंका जताई। उन्होंने आशंका जताई कि इन नियुक्तियों में टीएमसी से जुड़े आई-पैक कर्मियों को शामिल किया जा सकता है, जबकि चुनावी कार्यों के लिए सरकारी स्थायी कर्मचारियों को तैनात किया जाना चाहिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पहले ही जिलाधिकारियों को संविदा कर्मियों के उपयोग से बचने के निर्देश दे चुके हैं।

ममता बनर्जी ने भी जताई आपत्ति

इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सीईसी को पत्र लिखकर 1,000 डेटा एंट्री ऑपरेटर और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर की नियुक्ति संबंधी निविदा पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि संविदा कर्मचारी नियुक्त करना सामान्य प्रक्रिया है और इस पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान का हवाई हमला, 10 की मौत

- मृतकों में नौ बच्चे शामिल, एक मकान पर किया गया हमला
- तालिबान सरकार ने की निंदा, पाक ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

एजेंसी । काबुल

अफगानिस्तान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान ने रविवार देर रात उसकी सीमा के भीतर हवाई हमला किया, जिसमें एक महिला और नौ बच्चों सहित कम से कम 10 नागरिकों की मौत हो गई। इस हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। घटना ऐसे समय हुई है, जब पेशावर में हुए आत्मघाती हमले की पहली बरसी से ठीक एक दिन पहले पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई की गई।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि खोस्त प्रांत के गेरबज्वो जिले में एक घर को निशाना बनाकर बमबारी की गई। मृतकों में विलायत खान नामक व्यक्ति के परिवार के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी छापेमारी की गई, जिसमें चार नागरिक घायल हो गए। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान—द डेली स्टार, द बलोचिस्तान पोस्ट और द गार्जियन—ने इस हमले की विस्तृत रिपोर्टिंग की है।

दोनों देशों के संबंध फिर तनावपूर्ण

इससे पहले अक्टूबर में पाकिस्तान और अफगान सुरक्षा बलों के बीच भीषण झड़प हुई थी, जिसमें लगभग 70 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद दोहा में संघर्ष विराम पर सहमति बनी, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। तुर्किए में हुई शांति वार्ता भी किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी।

पेशावर हमले को लेकर नया विवाद

आत्मघाती हमले की अब तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि पाकिस्तान के सरकारी चैनल पीटीवी ने दावा किया कि हमलावर अफगान मूल का था। राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने इसके लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान की जमीन से उसके खिलाफ गतिविधियां चला रहा है।